मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 313
शुक्रवार, 06 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

भारत, पाकिस्तान को तराजू के एक ही पलड़े में नहीं तौला जाना चाहिएः मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, 05 जून। कांग्रेस ने पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र में दो जिम्मेदारियां मिलने पर बृहस्पतिवार को चिंता जताई और कहा कि सरकार द्वारा ऐसे कूटनीतिक प्रयास किए जाएं कि वैश्विक स्तर पर भारत और पाकिस्तान को एक ही पलड़े में नहीं तौला जाए। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को दो अहम जिम्मेदारियां मिलना भारतीय विदेश नीति के पतन की दुखद दास्तां है, लेकिन वैश्विक समुदाय पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद के प्रायोजन को लगातार वैध ठहराना कैसे जारी रख सकता है? पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) तालिबान प्रतिबंध समिति के अध्यक्ष और यूएनएससी आतंकवाद विरोधी समिति के उप प्रमुख की जिम्मेदारी मिली है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, कांग्रेस अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान से पैदा होने वाले आतंकवाद पर भारत के रुख को समझने और उसका समर्थन करने का आह्वान करती है। पाकिस्तान आतंक का जनक है। भारत आतंक का शिकार है। दोनों की बराबरी नहीं की जा सकती। उन्हें एक तराजू के एक ही पलड़े में नहीं रखा जाना चाहिए।" उन्होंने कहा कि आईएमएफ, एडीबी

और विश्व बैंक द्वारा ऋण और प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी देने या इसका निर्णय लेने से केवल पाकिस्तान के सैन्य खर्च में वृद्धि होगी, जिसका उपयोग उसकी सेना भारतीय नागरिकों के खिलाफ आतंक फैलाने के लिए करती है। कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है कि 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद रोधी समिति के उप प्रमुख और 2025 के लिए तालिबान प्रतिबंध समिति के अध्यक्ष के रूप में पाकिस्तान का नामकरण अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य है। खड़गे ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भारत के मामले में गुण-दोष देखना चाहिए कि पाकिस्तान को उसके आतंकी वित्तपोषण की निगरानी के लिए एफएटीएफ की ग्रे सूची में वापस शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात का उल्लेख किया, पाकिस्तान को 2008 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमनोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के समय भारत के राजनयिक प्रयासों के बाद 2008 में पहली बार ग्रे सूची में डाला गया था और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के तहत और फिर 2012 में शामिल किया गया था। यह तीन बार ग्रे सूची में रहा है, आखिरी बार 2018 में था।'

बसपा को कमजोर करने के लिए हर हथकंडा अपना रही हैं जातिवादी पार्टियां : मायावती

लखनऊ, 05 जून। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया मायावती ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दलित राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया। मायावती ने कहा कि जातिवादी दलों के हाथों में संचालित ये अवसरवादी और स्वार्थी संगठन एक सोची-समझी साजिश के तहत निर्दोष बीएसपी सदस्यों को गुमराह कर रहे हैं। वे अपनी बैठकों और कार्यक्रमों में बीएसपी सदस्यों को बुलाते हैं और कांशीराम और यहां तक कि मेरा नाम लेकर कहते हैं कि वे हमारे मिशन को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। मायावती ने कहा कि अगर उनकी बातों में थोड़ी भी सच्चाई होती तो वे विपक्षी दलों के साथ नहीं

जुड़ते। इसके बजाय, वे बीएसपी को मजबूत करने के लिए खुद को बीएसपी से जोड़ते और उसका समर्थन करते दलितों और उपेक्षित वर्गों को इन जातिवादी दलों से सावधान रहना होगा ताकि वे देश से बीएसपी को कमजोर करने या खत्म करने में सफल न हों। उन्होंने कहा कि ये जातिवादी दल बीएसपी उम्मीदवारों को चुनाव जीतने से रोकने के लिए ईवीएम में भी हेराफेरी कर रहे हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि कई अन्य विपक्षी दलों के साथ-साथ हमारी पार्टी भी चाहती है कि देश में सभी चुनाव बैलेट पेपर से कराए जाएं। हालांकि मौजूदा सरकार के रहते ऐसा संभव नहीं लगता, लेकिन उम्मीद है कि सत्ता परिवर्तन के साथ ही यह बदलाव शुरू हो जाएगा। हमारी पार्टी के सदस्यों को इस संभावना पर विचार करके निराश नहीं होना चाहिए। देश के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए ईवीएम प्रणाली कभी भी बदल सकती है अगर बैलेट पेपर का फिर से इस्तेमाल किया गया तो बीएसपी के अच्छे दिन भी लौट आएंगे।

पाकिस्तान को दोहरी जिम्मेदारी मिलना हमारी विदेश नीति के पतन की दुखद दास्तां है : कांग्रेस

नई दिल्ली, 05 जून। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र में दो जिम्मेदारियां मिलना भारतीय विदेश नीति के पतन की दुखद दास्तां है, लेकिन वैश्विक समुदाय पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद के प्रायोजन को लगातार वैध ठहराना कैसे जारी रख सकता है? पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) तालिबान प्रतिबंध समिति के अध्यक्ष और यूएनएससी आतंकवाद विरोधी समिति के उप प्रमुख की जिम्मेदारी मिली है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट किया, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 9 मई को आईएमएफ ने पाकिस्तान को एक अरब डॉलर दिए। ऑपरेशन

सिंदूर के तुरंत बाद विश्व बैंक ने पाकिस्तान को 40 अरब डॉलर देने का फैसला किया। ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद 3 जून को एडीबी ने पाकिस्तान को 80 करोड़ डॉलर दिए। उन्होंने कहा कि अब 4 जून को पाकिस्तान को यूएनएससी तालिबान प्रतिबंध समिति के अध्यक्ष और यूएनएससी आतंकवाद विरोधी समिति के उप प्रमुख के रूप में चुना गया।

उच्चतम न्यायालय ने मकान मालिक-किरायेदार विवादों के शीघ्र निपटारे पर दिया जोर

नई दिल्ली, 05 जून। उच्चतम न्यायालय ने बंबई उच्च न्यायालय से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए संपत्ति मालिकों-किरायेदारों के बीच विवाद में फैसला होने में देरी पर चिंता जताई है। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से वहां लंबित ऐसे मामलों की समीक्षा करने का अनुरोध किया है।

उच्चतम न्यायालय प्रति वर्ग फुट दर पर विवाद से संबंधित उच्च न्यायालय के आदेश के विरुद्ध अपीलों पर सुनवाई कर रहा। यह मामला हिंदुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल्स लिमिटेड द्वारा मुंबई स्थित हरचंद्राय हाउस को किराये पर लेने से संबंधित है।

पीठ ने कहा कि कुछ मामलों में वादियों को अपने विवादों के निपटारे के लिए वर्षों तक इंतजार करना पड़ता है। पीठ ने कहा, जब मकान मालिक-किरायेदार विवाद की बात आती है, तो इसमें एक पक्ष के संपत्ति के लाभ से वंचित होने और दूसरे पक्ष के ऐसी संपत्ति के स्वामित्व से प्राप्त होने वाले मौद्रिक लाभ से वंचित होने का पहलू भी शामिल होता है। अदालतों का यह कर्तव्य है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके कारण किसी भी पक्ष को परेशानी न हो। अदालत ने कहा कि ऐसे विवादों में देरी से निर्णय लेने का मतलब है कि दोनों पक्षों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है। पीठ ने कहा, कुछ मामलों में मकान मालिक को संपत्ति नहीं मिलने के कारण नुकसान उठाना पड़ता है, और दूसरे मामलों में, उससे मिलने वाली मौद्रिक राशि नहीं मिल पाती है। किरायेदार को इस कारण नुकसान उठाना पड़ता है कि मामले में अंतिम निर्णय आने पर उसे थोड़े समय में बड़ी रकम चुकाने का निर्देश दिया जाता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि किरायेदारों के लिए इतनी भारी रकम का भुगतान करने के लिए अपेक्षित व्यवस्था करना एक कठिन काम है। पीठ ने छह मई को कहा, हम बंबई उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध करते हैं कि वह मकान मालिक-किरायेदार विवादों के लंबित रहने की अवधि के बारे में संबंधित अदालतों से रिपोर्ट मांगें। अदालत ने कहा कि यदि यह पाया जाता है कि इस मामले जैसे कई अन्य मामले हैं, तो उच्च न्यायालय को उनके शीघ्र निस्तारण के लिए उचित कदम उठाने चाहिए।

जयपुर हवाई अड्डे के विकास के लिए 600 करोड़ रुपये की 14 परियोजनाएं शुरू

जयपुर, 05 जून। निजी क्षेत्र की कंपनी जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने जयपुर हवाई अड्डे पर यात्री सुविधा बढ़ाने और बढ़ते यात्री भार को देखते हुए बुनियादी ढांचे में सुधार का काम शुरू किया है।

कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि हवाई अड्डे को विभिन्न स्तर पर बेहतर बनाने और यात्रियों के समग्र अनुभव को बेहतर करने के लिए 600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 14 परियोजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर इन परियोजनाओं का उद्देश्य जयपुर हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि यह अंतरराष्ट्रीय

मानकों पर खरा उतरे एवं बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करे। इसके तहत टर्मिनल-2 का विस्तार किया जा रहा है जो इसके बुनियादी ढांचे के विकास की योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जेआईएएल), अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है। उन्होंने कहा, 15,000 वर्ग मीटर के विस्तार से मौजूदा टर्मिनल की कुल क्षमता में वृद्धि होगी। वर्तमान में, टर्मिनल पर 39 चेक-इन काउंटर हैं। विस्तार के तहत 24 नए काउंटर शुरू करने की योजना है। इससे चेक-इन काउंटर की कुल संख्या 63 हो जाएगी, जिससे यात्रियों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। नए चेक-इन काउंटर के अलावा हवाई अड्डे पर आठ अतिरिक्त सेल्फ-बैगेज ड्रॉप (एसबीडी) काउंटर भी शुरू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, एक्स-रे बैगेज इंस्पेक्शन सिस्टम (एक्सबीआईएस) की नौ नई मशीन लगने से सुरक्षा जांच प्रक्रिया भी बेहतर होगी।

इसी तरह बोर्डिंग गेट की संख्या छह से बढ़कर 10 की जाएगी। दो नए प्रवेश द्वार बनाए जाने से उनकी कुल संख्या भी छह हो जाएगी। साथ ही 6,000 वर्ग मीटर का नया फोरकोर्ट एरिया भी विकसित किया जाएगा।

अरूणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर
ARUNODAYA Surgical & Trauma Center
जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवीं मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)
डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ
24/7 Emergency Services
बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
Medi Assist
STAR
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

नासिक में कार एक घर से जा टकराई, छह लोगों की मौत, एक घायल

नासिक, 05 जून। महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक कार सड़क किनारे स्थित एक मकान से जा टकराई, जिससे कार सवार एक ही परिवार के पांच सदस्यों समेत छह लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि कलवान तालुका के कोल्हापुर फाटा में बुधवार रात करीब 10 बजे हुई इस दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों में दो नाबालिग भी शामिल हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, सताना के नामपुर का एक परिवार नासिक में एक रिश्तेदार के विवाह समारोह में शामिल होने के बाद घर लौट रहा था। उसी दौरान कार के चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे कार नासिक-कलवान रोड पर एक बंगले से जा टकराई। उन्होंने बताया कि एक ही परिवार के चार लोगों समेत पांच यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके एक रिश्तेदार ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

दुर्घटना में मौके पर ही जिन लोगों की मौत हो गई उनकी पहचान शैला वसंत भदान (62), उनकी बेटी माधवी मेटकर (32) और नातिन त्रिवेणी मेटकर (4), उनकी रिश्तेदार सरला भालचंद्र भदान (50), कार चालक खालिक महमूद पठान (50) के रूप में हुई। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुई मेटकर के 12 वर्षीय बेटे की अस्पताल में भर्ती होने के बाद मौत हो गई और उनके रिश्तेदार भालचंद्र भदान (52) भी गंभीर रूप से घायल हो गए।

बीजापुर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में नक्सली नेता ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में नक्सलियों का एक शीर्ष नेता मारा गया है। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार माओवादियों की केंद्रीय समिति कासदस्य गौतम उर्फ सुधाकर इस मुठभेड़ में मारा गया है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीजापुर जिले के इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में केंद्रीय समिति के सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर, तेलंगाना राज्य समिति के सदस्य बांदी प्रकाश, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य पप्पा राव तथा कुछ अन्य सशस्त्र माओवादी कैडरों की मौजूदगी की सूचना पर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कोबरा बटालियन के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करेः 9199355950

बेंगलुरु में व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे का बेनकाब होना

-ललित गर्ग

बढ़ते तापमान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की शानदार जीत के बाद आयोज्य जश्न के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं खेल व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। आरसीबी विक्ट्री परेड के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास अचानक मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 50 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और क्रिकेट सितारों को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

क्रिकेट की दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली के प्रति जन-उत्साह उमड़ा। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे खिलाडियों एवं राजनेताओं द्वारा नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें हो जाने के बावजूद जश्न जारी रहना, दुखद एवं शर्मनाक है। प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि खिलाड़ियों को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास तीन लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का मौत की खबरें मिलने के बावजूद खिलाडियों के साथ जश्न मनाने में जुटा रहना उनकी प्रचार भूख का भौंडा उदाहरण है। जब मौत के बाद वहां पसरा मातम देखकर सब स्तब्ध थे तो सिद्धारमैया क्यों अपने पद की गरिमा एवं जिम्मेदारी को धूमिल कर रहे थे? सोचिए लोगों की मौत के बाद अगर एक मिनट भी जश्न मना, तालियां बजीं, ठहाके लगे, फ्लाइंग किस दिए गए तो इससे ज्यादा अमानवीयता और निर्दयता क्या हो सकती है? जब खुद सरकार एक जश्न का मातम में बदलने का नेतृत्व करेगी तो आम लोगों का कांप उठना स्वाभाविक है।

बहरहाल, आईपीएल का आयोजन लगातार नई ऊंचाइयों को छूता हुआ व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततः विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। उनके करोड़ों प्रशंसकों की कतारें देख कर राजनेता भी उनकी साथ मंच सांझा करने को उत्सुक दिखे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, अन्य मंत्री एवं प्रशासनिक अधिकारी भी इसी फिराक में अपनी जिम्मेदारियों को भूल जश्न मनाते रहे और आमजनता अव्यवस्थाओं के कारण मौत में समाती रही। यह ऐसी दुखद घटना है जो अपनी निर्दयता एवं क्रूरता के लिये लम्बे समय तक कौंधती रहेगी। सिद्धारमैया के इस घटना की तुलना प्रयागराज कुंभ में हुए हादसे के करना उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रही है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे में भी अनेकों लोगों की जान गयी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है।

रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं। कुछ स्थानों पर निकास मार्ग सीमित हैं या अनुपयुक्त हैं, जो भगदड़ का खतरा बढ़ाते हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित एवं दक्ष सुरक्षाकर्मी नहीं हैं, जिससे सुरक्षा चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों, जैसे कि एआई आधारित निगरानी और ड्रोन कैमरे का उपयोग सीमित है। लोगों को आपातकालीन निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण नियमों, और सुरक्षा उपायों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। गलत सूचना या अचानक दहशत से भीड़ अनियंत्रित हो सकती है और भगदड़ मच सकती है। भीड़ का व्यवहार कई बार अनियंत्रित हो जाता है, खासकर धार्मिक, खेल एवं सिनेमा आयोजनों में, जहां लोग भावनाओं में बहकर आगे निकलने की होड़ में लग जाते हैं। कई बार आयोजनकताओं और पुलिस के बीच समन्वय की कमी होती है, जिससे सुरक्षा चूक हो सकती है। भीड़ प्रबंधन केवल विधि-व्यवस्था बनाए रखने का विषय नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन की सुरक्षा, सार्वजनिक स्थानों की संरचना और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की रणनीतियों से गहनता से संबद्ध है। दुर्भाग्यवश, कई बार आयोजकों और प्रशासनिक एजेंसियों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किये जाते, जिससे जानमाल की हानि होती है। इस परिदृश्य में, बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन की मौजूदा स्थिति, उससे जुड़ी प्रमुख चुनौतियाँ, हालिया घटनाओं से मिले सबक और प्रभावी समाधानों की चर्चा करना बेहद प्रासंगिक होगा, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचा जा सके।

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में धार्मिक उत्सव, खेल आयोजनों और राजनीतिक रैलियों में लाखों लोग जुटते हैं। ऐसे आयोजनों के लिये पुलिस, होम गार्ड, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तैनात किया जाता है। विश्व के विभिन्न विकसित देशों में भीड़ प्रबंधन के लिये अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। जापान जैसे देशों में रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों पर अत्यधिक भीड़ के प्रबंधन के लिये ऑटोमेटेड एंट्री और एग्जिट सिस्टम स्थापित किये गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों में स्टेडियमों, एयरपोर्ट्स एवं धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण के लिये एआई आधारित कैमरे, आपातकालीन अलर्ट सिस्टम और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी मौजूद रहते हैं। हालाँकि भारत में बड़े आयोजनों के लिये प्रशासनिक तैयारियाँ की जाती हैं, फिर भी समय-समय पर कई कमियाँ उजागर होती रही हैं। लेकिन आरसीबी के चिन्नास्वामी स्टेडियम के जश्न के दौरान खामियां ही खामियां देखने को मिली। ऐसे बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन कोई आसान कार्य नहीं है। लाखों लोगों को नियंत्रित करने के लिये ठोस रणनीति, प्रशासनिक कौशल और अत्याधुनिक तकनीक की आवश्यकता होती है, जिसका इस आयोजन में सर्वथा अभाव रहा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए।

क्या सस्ती लोकप्रियता भुनाने के लिए कर्नाटक सरकार ने व्यवस्थाओं को दांव पर लगाया?

अशोक भाटिया

अजीब बात है कि कुंभ मेले में मामूली भगदड़ मच गई, जिसे करोड़ों लोगों ने इक्ट्ठा किया गया था , वे कांग्रेस आकाश पाताल को एकजुट कर रहे थे । आज उनके द्वारा आयोजित चिन्नास्वामी स्टेडियम में कुछ हजार की भीड़ को वह नियंत्रित नहीं कर सके और 'चेंगरुन (बेंगलुरु) की भगदड़ में कम से कम 11 लोगों की मौत हो चुकी है तो 33 लोग घायल बताए जा रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 18 साल बाद आईपीएल जीते 18 घंटे भी नहीं गुजरे थे कि सारी खुशियां मातम में बदल गई। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर जीत का जश्न मनाने गए बेकसूरों की मौत का जिम्मेदार कौन है? आरसीबी के मालिक, कर्नाटक सरकार या खुद क्रिकेट फैंस।

बताया जाता है कि तीन जून की रात फाइनल जीतने के बाद चार जून को जीत का जश्न मनाने के लिए चिन्नास्वामी स्टेडियम में भव्य समारोह रखा गया। जब बाहर लोग अपनी जान गंवा रहे थे, तब आरसीबी मैनेजमेंट स्टेडियम के अंदर जीत का जश्न मना रहा था। जब रजत पाटीदार और विराट कोहली चिन्नास्वामी स्टेडियम में आए फैंस के सामने भाषण दे रहे थे, तब बाहर लोग जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे थे। भगदड़ में 11 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। बावरिंग अस्पताल में 6 शव लाए गए, जिनमें 13 वर्षीय दिव्यांशी, 26 वर्षीय दिया, 21 वर्षीय श्रवण समेत तीन युवतियां और तीन युवक शामिल हैं। इनमें दो की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। वायदेही अस्पताल में 4 शव पहुंचे- 20 वर्षीय भूमिक, 19 वर्षीय साहना, एक 20 वर्षीय युवक और एक 35 वर्षीय व्यक्ति की मौत हुई। मणिपाल अस्पताल में 19 वर्षीय चिन्मयी की मौत हुई है। हादसे में घायल 18 लोग अब भी विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं।

आरसीबी फ्रैंचाइजी से टूर्नामेंट जीतने के कुछ ही घंटे के भीतर इतने बड़े इवेंट की जरूरत पर सवाल पूछे जा रहे हैं। आईपीएल के इतिहास में ये पहला मौका था, जब किसी फ्रैंचाइजी ने जीत के बाद इतनी बड़ी विक्ट्री परेड की प्लानिंग की। भारत को 1983 में वर्ल्ड कप जिताने वाली टीम के मेंबर रहे पूर्व तेज गेंदबाज मदन लाल की माने तो इस कार्यक्रम को दो-तीन दिन बाद पूरी तैयारी के साथ भी किया जा सकता था। मदन लाल ने पूछा है कि जब मंगलवार की पूरी रात अहमदाबाद में पार्टी की गई तो बेंगलुरु में जश्न मनाने की क्या जल्दी थी?

आरसीबी की इस जीत को कर्नाटक सरकार ने कन्नाड़िगा अस्मिता से जोड़ने की भी कोशिश की। इस इवेंट में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सरकार के चेहरे के तौर पर सामने थे। एयरपोर्ट पर खिलाड़ियों के स्वागत से लेकर उन्हें विधानसभा तक लेकर जाना, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से विराट कोहली समेत तमाम प्लेयर्स की मुलाकात करवाना, सम्मान दिलवाना, मीडिया का कैमरा हर वक्त डीके शिवकुमार पर ही फोकस रहा। जब बेंगलुरु पुलिस ने इतने बड़े इवेंट में सुरक्षा देने से अपने हाथ खड़े कर दिए थे। सूत्रों की माने तो पुलिस ने आयोजन टालने की सलाह दी थी। इसके बावजूद भीड़ जुटाने के पीछे सरकार की मंशा पर सवाल उठने चाहिए।

बेंगलुरु को ह्यपढ़े-लिखेह्ल लोगों का शहर माना जाता है। देश की सबसे बड़ी आईटी इंडस्ट्री यहीं हैं। पूरे देश से बच्चे यहां पढ़ने आते हैं। मगर हमारे देश में तो क्रिकेट के आगे सब बेबस हो जाते हैं। 45 हजार लोगों की बैठना की क्षमता वाले स्टेडियम में चार-पांच लाख लोग घुसने की कोशिश करेंगे तो यही हश्र होगा। लोग किसी तरह बस एक-दूसरे पर चढ़कर अंदर घुसने को आमादा थे, ये अपनी मौत को खुद बुलावा देने से कम नहीं था।

जश्न के दौरान मची भगदड़ के बाद भाजपा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार पर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया। भाजपा ने आरोप लगाया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई उपाय या बुनियादी व्यवस्था नहीं की गई। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार पर हमला करते हुए पार्टी ने कहा कि वे सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय रील बनाने में बिजी थे। भाजपा के अमित मालवीय ने बेंगलुरू भगदड़ को लेकर राज्य सरकार की आलोचना की है और खराब योजना और भीड़ के कुप्रबंधन का हवाला दिया है। उन्होंने इस घटना भाजपा ने दावा किया है कि आईपीएल में आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान बेंगलुरु में भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, स्टेडियम परिसर के पास भगदड़ में सात से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। इलाके में एक नाले के ऊपर एक स्लैब रखा हुआ था। जब भीड़ जमा हुई और उस पर खड़ी हुई, तो स्लैब गिर गया, जिससे अफरातफरी मच गई और जानलेवा भगदड़ मच गई।को प्रशासनिक लापरवाही के कारण होने वाली टाली जा सकने वाली त्रासदी बताया।

जिन 11 लोगों ने अपनी जान गंवाई, वे महज क्रिकेट प्रेमी थे, विराट कोहली के दीवाने, फ्छइ के फैन थे। उन्हें नहीं पता था कि उनकी ये दीवानगी उन्हें अपनी जान की कीमत पर चुकानी पड़ेगी। 13 साल की दिव्यांशी से लेकर 26 साल की दीया और 21 साल का श्रवण, सभी उन लाखों लोगों में शामिल थे जो सिर्फ एक झलक अपने सितारों की पाने को आए थे। अपने स्टार के आंसुओं के लिए जो लाखों लोग पागल थे, उनके दर्द से उन स्टार खिलाड़ियों को कोई खास फर्क नहीं पड़ा। तालियां बजती रहीं। फ्लाइंग किस लुटाए जाते रहे। ऐसा कैसे हो सकता है कि इन स्टार खिलाड़ियों को जानकारी नहीं थी। और जानकारी नहीं थी तो दी क्यों नहीं गई? भगदड़ के बाद भी जश्न क्यों मनता रहा? और विजयी भाषण चलता रहा, पीठ थपथपाई जाती रही। विराट कोहली को एयरपोर्ट पर रिसीव करने पहुंचने वाले कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का कहना है कि जश्न सिर्फ थोड़ी देर चला. सोचिए लोगों की मौत के बाद अगर एक मिनट भी जश्न मना, तालियां बजीं, ठहाके लगे, फ्लाइंग किस दिए गए तो इससे ज्यादा अमानवीयता और निर्दयता क्या हो सकती है. जब खुद सरकार एक जश्न का नेतृत्व करेगी. खेल की लोकप्रियता को भुनाने की कोशिश करेगी. भीड़ को रोकने और उसके सही प्रबंधन की जगह खुद झंडा लेकर घूमेगी तो आम लोगों से क्या उम्मीद की जाएगी? जब नेता इस तरह जश्न मनाएंगे तो जनता तो उनके पीछे पागल होगी ही.

अब सरकार आयोजकों पर सवाल उठा रही है, आयोजक प्रशासन पर और बीच में फंसे हैं वो 11 परिवार, जो अपने अपनों को खो बैठे. हर जिम्मेदार अब कह रहा है कि हमें जानकारी नहीं थी.भगदड़ में सहाना की मौत के बाद उनके परिवार ने सरकार से नाराजगी जाहिर की है। बेंगलुरु में काम करने वाली सहाना यहां से 90 किलोमीटर दूर कोलार की रहने वाली थीं। पोस्टमार्टम के बाद नगर निगम के शव वाहन में उनकी बॉडी को शिफ्ट किया गया। परिवार ने कहा कि कोलार तक ले जाने के लिए फ्रीजर तक की व्यवस्था प्रशासन ने नहीं की। हॉस्पिटल में जब परिवार ने जबरदस्त तरीके से अपनी नाराजगी और गुस्सा जाहिर किया उसके बाद ही उन्हें फ्रीजर दिया गया।

चिंतामणि के रहने वाले प्रज्वल की भी इस भगदड़ में मौत हो गई। प्रज्वल घर वालों से ये कहकर निकला कि बेंगलुरू में एक निजी कंपनी में उसका इंटरव्यू है और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के जश्न में शामिल होने चिन्नास्वामी स्टेडियम पहुंच गया। घर वालों ने जब मीडिया के जरिये मृतकों की सूची में उसका नाम देखा तो उन्हें पता चला कि प्रज्वल जॉब इंटरव्यू के लिए नहीं बल्कि आरसीबी के विजय जश्न में शामिल होने गया था।

मान भी लेते हैं कि जश्न मना रहे खिलाड़ियों को बाहर हुई भगदड़ और लोगों की मौत की जानकारी नहीं थी लेकिन क्या सरकार के कर्ता-धर्ता भी इससे अनजान थे? आखिर उपममुख्यमंत्री डीके शिवकुमार कप उठाने स्टेडियम के अंदर क्यों पहुंचे? उनका इस कप की जीत में क्या योगदान? क्या क्रिकेट और फ्छइ की लोकप्रियता भुनाने के लिए उन्होंने सारी व्यवस्थाओं को दांव पर लगा दिया? जिस वक्त उनके भीड़ में दबते, जान गंवाते और घायल होते लोगों के साथ होना चाहिए था, उस वक्त वो फ्छइ के कप के साथ थे. जब घायलों को उठाने की जरूरत थी, डीके शिवकुमार कप उठा रहे थे.

बेंगलुरु में जो हुआ, उसकी भूमिका मंगलवार रात से ही तैयार हो रही थी. लेकिन उसके बाद भी शासन-प्रशासन बिल्कुल सतर्क नहीं हुआ. बेकाबू भीड़ और अनगिनत लोगों को रोकने के लिए पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए. ऐसी व्यवस्था नहीं की गई, जिससे उतने ही लोग स्टेडियम तक पहुंचें, जितना झेलने की क्षमता है. और अगर इन लोगों को रोकने की व्यवस्था नहीं थी तो क्या जश्न मनाना इतना जरूरी था? इस जश्न का आयोजन कर्नाटक सरकार और वहां के क्रिकेट एसोसिएशन ने कराया था. लेकिन अब कोई भी इसकी जिम्मेदारी उठाने के लिए तैयार नहीं है. सरकार कह रही है कि विधानसभा के पास कोई घटना नहीं हुई, हमारी तैयारी अच्छी थी. सरकार इसके लिए क्रिकेट एसोसिएशन की व्यवस्था पर सवाल उठा रही है. सरकार मान रही है कि 3 लाख से ज्यादा लोग आए थे जबकि चिन्नास्वामी स्टेडियम की क्षमता मात्र 35 हजार की है. अगर सरकार के पास इतनी व्यवस्था नहीं है तो जश्न के लिए लोगों को खुला न्योता क्यों था?

बताया जाता है कि मंगलवार रात में सड़कों पर जमकर डांस हुआ और धीरे-धीरे से हुड़दंग और हंगामे में बदल गया. लोग इस कदर खुमार में थे कि ट्रक रुकवाकर, उनका हॉर्न बजवाकर उस पर डांस किया. सोचिए ये किस तरह का पागलपन था. मंगलवार की पूरी रात बहुत से लोगों के लिए जश्न मनाते हुए निकल गई. फिर भी सुबह तक उनका जोश ठंडा नहीं पड़ा. और जब लोगों को चिन्नास्वामी स्टेडियम में जश्न की जानकारी हुई, फिर से वो सड़कों पर उतर आए. कुछ लोग स्टेडियम में नहीं घुस पाए, तो वो पेड़ों पर चढ़ गए. इस हादसे ने बता दिया है कि अगर आयोजन में मानवीय संवेदना गायब हो, तो कोई भी जीत जानलेवा बन सकती है.

भाजपा ने इस घटना को 'सरकारी विफलता' और 'राजनीतिक लालसा' का नतीजा करार दिया है. भाजपा की ओर से जारी बयान में कहा गया है, ₹यह केवल भगदड़ नहीं थी, बल्कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की आपसी खींचतान से पैदा हुई एक सरकार-निर्मित त्रासदी थी.₹भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी सवाल उठाए. उन्होंने कहा, हर दिन राहुल गांधी सेना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मजाक उड़ाते हैं. लेकिन जब इतने लोग एक दुर्घटना में मारे गए तब राहुल कहां हैं? भाजपा ने राहुल से मांग की कि वह इस हादसे पर तुरंत कार्रवाई करें और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को दिल्ली तलब करें.भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इस पूरे मामले की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए. साथ ही डीके शिवकुमार को जनता से माफी मांगनी चाहिए.

जब कुंभ की भगदड़ हत्या थी, तो बेंगलुरु का मातम सिर्फ हादसा कैसे?

-सुरेश गांधी

देखा जाए तो एक साल से भी कम समय में भारत में 5 खौफनाक भगदड़ हुई. कभी आस्था तो कभी जश्न, और मौत का आंकड़ा 190 पार हो चुका है ! अब लोग जानना चाह रहे है क्या ये सिर्फ हादसे थे या किसी गहरी चूक का नतीजा? हाथरस से चिन्नास्वामी तक, हर भगदड़ छोड़ गई अपने पीछे एक डर, एक सन्नाटा और अनगिनत सवाल...हाल ही में कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत का जश्न मातम में बदल गया। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भीड़ इतनी बेकाबू हो गई कि भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई और 35 से अधिक घायल हो गए। मरने वालों में अधिकांश महिलाएं थीं। हादसे के पीछे कारण स्पष्ट हैं, टिकट वितरण में भ्रम, पर्याप्त पुलिस बल की अनुपस्थिति, भीड़ नियंत्रण की असफलता और आपातकालीन प्रबंधन की घोर चूक। मगर इसके बाद जो हुआ वह और भी निराशाजनक था. सरकारी मशीनरी, आयोजक और क्रिकेट प्रशासन इसे एक सामान्य दुर्घटना कहकर पल्ला झाड़ते नजर आए। याद कीजिए 2013 का महाकुंभ मेला, प्रयागराज में हुई भगदड़ में जब कई लोगों की मौत हुई थी, तब विपक्ष के नेताओं ने उस समय की सरकार को ह्लसुनियोजित हत्याह्ल के लिए जिम्मेदार ठहराया था। राहुल गांधी से लेकर ममता बनर्जी तक ने इस पर तीखे सवाल उठाए थे। लेकिन जब उसी देश के ह्लटेक हबह्ल बेंगलुरु में सरकारी आयोजन में भीड़ के कारण 11 लोग मारे जाते हैं, तो वही राजनीतिक आवाजें खामोश क्यों हो जाती हैं? कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने तो प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ह्लऐसी घटनाएं तो कुंभ में भी हो चुकी हैं ह्ल क्या यह तुलना उचित है? क्या यह संवेदनशीलता दिखाने का तरीका है?

बेंगलुरु जैसी आधुनिक और तकनीकी रूप से संपन्न मानी जाने वाली नगरी में अगर भीड़ नियंत्रण की यह हालत है, तो यह केवल ह्लदुर्घटनाह्ल नहीं बल्कि ह्लप्रशासनिक विफलताह्ल है। आयोजन से पहले भीड़ के अनुमान और उसके अनुरूप प्रबंध क्यों नहीं किए गए? स्टेडियम के बाहर सुरक्षा घेरे की व्यवस्था क्यों नहीं थी? एक बड़ी सार्वजनिक घोषणा के बाद पर्याप्त ट्रैफिक और आपातकालीन योजना क्यों नहीं बनी? हादसे के बाद भी सरकार और डिप्टी सीएम कार्यक्रम में व्यस्त कैसे रहे? ये सवाल बुनियादी हैं और इनका उत्तर आज नहीं दिया गया, तो कल फिर ऐसी घटनाएं दोहराई जाएंगी। इस हादसे के बाद यह स्पष्ट हो गया कि भारत में मौतों का राजनीतिककरण हो चुका है। कुंभ में कोई श्रद्धालु मरे, तो वो ह्यहत्याह्ल है। लेकिन बेंगलुरु में कोई महिला जश्न के दौरान मरे, तो वो ह्यदुर्घटनाह्ल बन जाती है। टीवी डिबेट्स चुप हैं, इस्तीफे की मांग नहीं उठी, और मुख्यधारा मीडिया ने इसे मामूली खबर की तरह समेट दिया। क्या यह इसलिए क्योंकि इस बार सरकार ह्लअपनीह्ल है? भीड़ में मची भगदड़ कोई नई या अनोखी घटना नहीं है, लेकिन इससे बचने के उपाय भी कोई रहस्य नहीं हैं।

1989, इंग्लैंडः हिल्सबोरो फुटबॉल स्टेडियम हादसे में 96 मौतें हुईं। इसके बाद वहाँ के कानून और स्टेडियम सुरक्षा प्रोटोकॉल पूरी तरह बदल दिए गए। 2015, सऊदी अरबः हज के दौरान 2,400 से ज्यादा लोग भगदड़ में मरे. सरकार ने अंतरराष्ट्रीय जांच को अनुमति दी और व्यापक समीक्षा की। 1979, अमेरिकाः एक संगीत कार्यक्रम में 11 लोगों की मौत के बाद आयोजनों के प्रवेश नियम बदले गए। वैसे भी भारत में हर बार लाशें गिन ली जाती हैं, कुछ दिन शोक होता है, और फिर सब कुछ पुराने ढर्रे पर लौट आता है। बेंगलुरु की सड़कों पर मृतकों की चप्पलें, अस्पतालों में घायल महिलाएं और बदहवास परिजन यह पूछ रहे हैं कि इस मौत का जिम्मेदार कौन है? लेकिन अभी तक न कोई मंत्री इस्तीफा देने को तैयार है, न किसी प्रशासनिक अधिकारी पर कार्रवाई हुई है। हम किस दिशा में जा रहे हैं? क्या हम हर मौत की वैल्यू राजनीतिक चश्मे से तय करेंगे? अगर महाकुंभ की मौतें सरकार की हत्या थीं, तो बेंगलुरु की मौतें कैसे एक ह्लअनफॉचुर्नेट इवेंटह्ल बन सकती हैं? मौत को राजनीति के तराजू पर मत तौलिए। या तो दोनों घटनाएं प्रशासनिक हत्याएं हैं, या दोनों हादसे। हमें यह तय करना होगा कि क्या हम देश को भीड़ की मौतों का अभ्यस्त समाज बनने देंगे या भविष्य के लिए इससे सबक लेंगे। जबतक जिम्मेदारों से जवाब नहीं मांगा जाएगा, तब तक ये चूकें दोहराई जाती रहेंगी कृ कभी मंदिर में, कभी स्टेडियम में, कभी किसी चुनावी रैली में।

बता दें, बेंगलुरु में 5 जून को उस वक्त एक बड़ा हादसा हो गया, जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की आईपीएल जीत के जश्न में शामिल होने के लिए सड़कों पर बेहिसासाब भीड़ जुट गई. शहर के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर करीब 3 लाख लोग जमा हो गए. स्थिति बेकाबू हो गई और भगदड़ में दस से ज्यादा लोगों की मौत हो गई. मामले में एफआईआर दर्ज की गई है, जिसमें किसी भी शख्स को आरोपी नहीं बनाया गया है. यह अलग बात है कि बेंगलुरु भगदड़ मामले की 6 जून को कर्नाटक हाईकोर्ट में सुनवाई हुई, जहां कर्नाटक सरकार ने कहा, ह्लभगदड़ के बाद घायलों को तुरंत इलाज मुहैया करवाया। 1380 पुलिसकर्मी तैनात किए गए।ह्ल जबकि याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट से कहा, ह्लराज्य सरकार को यह बताना होगा कि आरसीबी के खिलाड़ियों को सम्मानित करने का निर्णय किसने लिया है। देश के लिए नहीं खेलने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने की क्या मजबूरी थी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए क्या कदम या सुरक्षा उपाय किए गए।ह्ल प्रारंभिक जांच के मुताबिक भीड़ ने स्टेडियम में घुसने के लिए गेट नंबर 12, 13 और 10 तोड़ने की कोशिश की। पुलिस ने लाठीचार्ज किया। नाले पर रखा स्लैब ढह गया। हल्की बारिश के बीच भगदड़ मच गई। दोपहर लगभग 3:30 बजे भीड़ और बढ़ी तो सभी गेट बंद कर दिए गए। इससे पास वाले भी अंदर नहीं घुस पाए। हंगामा शुरू हो गया। गेट नंबर 10 पर स्थिति ज्यादा बिगड़ी। पुलिस ने महिलाओं-बच्चों को पीछे धकेला, कुछ महिलाएं बेहोश होकर गिर गईं।

भगदड़ें बनीं मौत का कारण

पिछले एक साल से भी कम वक्त में देश ने पांच बड़ी भगदड़ें देखीं, जिनमें 190 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। ये घटनाएं धार्मिक आस्था, सार्वजनिक आयोजन और सरकारी लापरवाही का भयानक मेल साबित हुईं।

1. चिन्नास्वामी स्टेडियमः जीत का जश्न बना मातम

बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर बुधवार को त्ब्ठ की जीत का जश्न एक भयंकर हादसे में तब्दील हो गया। भीड़ बेकाबू हुई और मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर युवा थे। 33 लोग गंभीर रूप से घायल हुए। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं।

2. नई दिल्ली रेलवे स्टेशनः प्लेटफॉर्म पर मौत की दौड़

15 फरवरी 2025, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म 14 और 15 पर जबरदस्त भीड़ के चलते भगदड़ मच गई। प्रयागराज से लौट रहे तीर्थयात्रियों में 18 लोगों की जान चली गई और 15 लोग घायल हो गए।

3. कुंभ मेले में भगदड़ः श्रद्धा पर भारी सुरक्षा चूक

29 जनवरी 2025, मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज के संगम क्षेत्र में स्नान के लिए उमड़ी लाखों की भीड़ बेकाबू हो गई। भगदड़ में 30 लोगों की मौत और 60 से अधिक घायल हुए।

4. तिरुपति और गोवा में आस्था बनी हादसे की वजह

जनवरी 2025 में तिरुमाला हिल्स, तिरुपति में भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए मची होड़ में 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं मई 2025 में गोवा के श्री लैराई देवी मंदिर के वार्षिक मेले में भगदड़ मचने से कम से कम 6 श्रद्धालुओं की मौत हो गई।

5. हाथरस की सबसे बड़ी त्रासदीः 121 की मौत

जुलाई 2024, उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में स्वयंभू बाबा ह्लभोले बाबाह्ल के सत्संग कार्यक्रम में मची भगदड़ ने इतिहास की सबसे दर्दनाक घटना का रूप ले लिया। इस त्रासदी में 121 लोगों की जान चली गई, जिनमें महिलाएं और बच्चे शामिल थे। 11 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई लेकिन सभी अब जमानत पर हैं।

मतलब साफ है भीड़ हर बार उमड़ती है, हादसे दोहराए जाते हैं, लेकिन सीख कोई नहीं लेता! क्या भारत को ऐसी त्रासदियों से बचाने के लिए कोई ठोस नीति बनेगी? या फिर हर साल दोहराए जाएंगे ऐसे काले पन्ने? देश में साल 2003 से लेकर अब तक 21 भगदड़ में 1436 लोगों की जानें गई हैं, जबकि हजारों लोग घायल हुए। हर हादसे के बाद प्रशासन जनता को, और जनता प्रशासन को कसूरवार ठहराकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। पिछले हादसों के आंकड़े और बहानों से काम चला लेते हैं। कुछ दिन का रोना पीटना और फिर सब शांत! प्रशासन भुला देता है और जनता भूल जाती है।

महाकुंभ के दौरान संगम क्षेत्र में भगदड़

प्रयागराज महाकुंभ 2025 के दौरान 29 जनवरी को संगम क्षेत्र में भगदड़ मच गई, जब मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर लाखों तीर्थयात्री पवित्र स्नान के लिए जगह पाने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे। इस भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई और 60 लोग घायल हो गए। 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 14 और 15 पर भगदड़ मच गई। इसमें 18 लोगों की मौत हो गई और 15 घायल हो गए, जिनमें से ज्यादातर प्रयागराज के महाकुंभ में शामिल होने जा रहे थे।

3 मई, 2025ः गोवा के शिरगाओ गांव में श्री लैराई देवी मंदिर के वार्षिक उत्सव के दौरान तड़के मची भगदड़ में छह लोगों की मौत हो गई और करीब 100 लोग घायल हो गए।

8 जनवरी, 2025ः तिरुमाला हिल्स में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए टिकट लेने के लिए सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच हुई धक्का-मुक्की में कम से कम छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए।

2 जुलाई, 2024ः उत्तर प्रदेश के हाथरस में स्वयंभू भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि द्वारा आयोजित ह्यसत्संगह्ल (प्रार्थना सभा) में भगदड़ मचने से महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 121 लोगों की मौत हो गई।

31 मार्च, 2023ः इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के अवसर पर आयोजित ह्यहवनह्ल समारोह के दौरान एक प्राचीन ह्यबावड़ीह्ल या कुएं के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई।

1 जनवरी, 2022ः जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए।

29 सितंबर, 2017ः मुंबई में पश्चिमी रेलवे के एलफिंस्टन रोड स्टेशन को मध्य रेलवे के परेल स्टेशन से जोड़ने वाले संकरे पुल पर मची भगदड़ में 23 लोगों की जान चली गई और 36 लोग घायल हो गए।

14 जुलाई, 2015ः गोदावरी नदी के तट पर एक प्रमुख स्नान स्थल पर भगदड़ में 27 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। यहां आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में ह्यपुष्करमह्ल उत्सव के उद्घाटन के दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जमा हुई थी।

3 अक्टूबर, 2014ः दशहरा समारोह समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में मची भगदड़ में 32 लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए।

13 अक्टूबर, 2013ः मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान भगदड़ में 115 लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हो गए। भगदड़ की शुरूआत इस अफवाह के कारण हुई कि श्रद्धालु जिस नदी के पुल को पार कर रहे थे, वह ढहने वाला है।

19 नवंबर, 2012ः पटना में गंगा नदी के किनारे अदालत घाट पर छठ पूजा के दौरान एक अस्थायी पुल के ढह जाने से भगदड़ मच गई, जिसमें लगभग 20 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

8 नवंबर, 2011ः हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे हर-की-पौड़ी घाट पर भगदड़ मचने से कम से कम 20 लोग मारे गए।

14 जनवरी, 2011ः केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में घर जा रहे तीर्थयात्रियों पर एक जीप के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से मची भगदड़ में कम से कम 104 सबरीमाला श्रद्धालु मारे गए और 40 से अधिक घायल हो गए।

4 मार्च, 2010ः उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में लगभग 63 लोग मारे गए, जहां लोग स्वयंभू बाबा से मुफ्त कपड़े और भोजन लेने के लिए एकत्र हुए थे।

30 सितंबर, 2008ः राजस्थान के जोधपुर शहर में चामुंडा देवी मंदिर में बम विस्फोट की अफवाहों के कारण मची भगदड़ में लगभग 250 श्रद्धालु मारे गए और 60 से अधिक घायल हो गए।

3 अगस्त, 2008ः हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में चट्टान गिरने की अफवाहों के कारण मची भगदड़ में 162 लोग मारे गए, 47 घायल हो गए।

25 जनवरी, 2005ः महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर में वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान 340 से अधिक श्रद्धालु कुचलकर मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए। यह दुर्घटना तब हुई जब नारियल तोड़ रहे श्रद्धालुओं की वजह से सीढ़ियां फिसलन भरी हो गईं और लोग गिरने लगे।

27 अगस्त, 2003ः महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में पवित्र स्नान के दौरान भगदड़ में 39 लोग मारे गए और लगभग 140 घायल हो गए।

बयानों पर क्यों मचते हैं बवाल

हर हादसे के बाद राजनीतिक बयानों पर बवाल खड़ा होता है। हम जानते हैं की आजकल की राजनीति समाजसेवा नहीं, बल्कि सत्तासेवा बन चुकी है। सबको अपनी कुर्सी प्यारी होती है। सरकार का काम है करना, और विपक्ष का काम है उधेड़ना। हर हादसे के बाद सत्ता और विपक्ष से आए बयान यही साबित करते हैं। लेकिन इन बयानों पर हो-हल्ला करने की बजाय, इस तरह की दुर्घटना क्यों हुई और इसमें हमारी, यानि आम जनता की कितनी बड़ी भूमिका है, अगर इसपर चर्चा की जाए तो एक बहुत बड़ा खुलासा सामने आ सकता है। हम, जो उन हादसों के वक्त वहां मौजूद थे! हम, जिन्होंने गलत अफवाहें फैलाई और फिर उन अफवाहों की सच्चाई जाने बिना अगला कदम उठाया! हम, जो मौके की नजाकत को समझ नहीं पाए और अपना बोझ पुलिस और प्रशासन पर डाल दिया! लाखों की तादाद में इकट्ठे होकर नियमों और चेतावनियों को ताक पर रखकर अपनी जान जोखिम में डालने की कोशिश की! हम चाहते तो ये हादसा टल सकता था!

उत्तर भारतीयों की सफलता का राज उनकी कड़ी मेहनत और ईमानदारी : अनिल यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पवई रियल्टर्स वेल्फेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष युवा समाजसेवक अनिल यादव ने कहा कि उत्तर भारतीयों की सफलता का राज उनकी कड़ी मेहनत और ईमानदारी है। यादव पवई आई आई टी में अपने जन्मदिन के अवसर पर आयोजित समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर राजनीतिक दलों और समाजसेवकों के अलावा पत्रकारों ने अनिल यादव को जन्मदिन पर शतायु होने की शुभकामनाएं दी। अनिल यादव को जन्मदिन के अवसर पर बधाई देने वाले गणमान्य व्यक्तियों में युवा नेता अजय यादव,पूर्व नगरसेवक ईश्वर तायड़े, पवई विकास प्रतिष्ठान के अध्यक्ष बलबीर सिंह, उद्योगपति विजय नारायण तिवारी, भाजपा नेता भरत सिंह, ,पोपट तिवारी, पत्रकार कमलेश यादव,मुन्ना गिरी और बड़ी संख्या में अनिल यादव के शुभचिंतकों ने उन्हें शतायु होने की शुभकामनाएं दी।

एक बृक्ष मां के नाम सभी को लगाना चाहिए : स्वीकृति शर्मा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आज पर्यावरण के अवसर पर संजीवनी प्रदान करने वाला रुपक बृक्षोमं के नाम हर एक व्यक्ति को लगाना चाहिए। उक्त बातें पीएस फाउंडेशन स्वावलंबन महिला समिति की अध्यक्षा स्वीकृति प्रदीप शर्मा ने गुरुवार को वृक्षारोपण के दौरान महाकाली अंधेरी पूर्व में कहीं। शर्मा ने आगे कहा कि सोचिये जब धरती पर वृक्ष ही नही रहेगा तो हमारा आप का जीवन कैसे सुरक्षित रहेगा। इस लिये हर व्यक्ति को अपनी नैतिक जिम्मेदारी मानते हुये एक वृक्ष अवश्य लगायें जिससे सभी का जीवन खुशहाल बना रहे। और उन्होंने इस वृक्षारोपण को एक वृक्ष मां के नाम से नामकरण किया। इस मौके पर फाउंडेशन के अध्यक्ष व पूर्व पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा, उमेश उपाध्याय, पुष्पा त्रिपाठी, गिरीश रावत समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों का भी हुजूम मौजूद था। स्थानीय लोगों ने बताया कि प्रदीप शर्मा और स्वीकृति शर्मा द्वारा मेडिकल, शिक्षा, साफ सफाई व अन्य जन समस्याओं के लिए किया जा रहा कार्य अत्यंत उपयोगी व सराहनीय है। जिसका लोगों को पूरे अंधेरी विधानसभा में भरपूर लाभ मिल रहा है।

पीएनबी हरित परिवहन को बढ़ावा देने के लिए 8.30% की शुरूआती दर से ई-वाहन ऋण की पेशकश की

मुंबई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, देश के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने गैर-इलेक्ट्रिक वाहन ऋणों की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहनों पर 0.05% कम ब्याज दर की पेशकश कर पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया है। पीएनबी के ग्रीन फाइनेंसिंग पर विशेष ध्यान देने से उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त हुए हैं, बैंक ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 5,178 इलेक्ट्रिक वाहन ऋण स्वीकृत किए हैं, जिससे वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है। यह वृद्धि स्वच्छ परिवहन समाधान की ओर भारत में परिवर्तन का समर्थन करने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। इलेक्ट्रिक वाहन ऋणः इलेक्ट्रिक वाहनों के वित्तपोषण के लिए, ब्याज दर की शुरूआत 8.30% से होती है। इसे पीएनबी वन ऐप के माध्यम से डिजी वाहन ऋण द्वारा सुगमता से प्राप्त किया जा सकता है। सोलर रूफटॉप वित्तपोषणः पीएनबी की सोलर रूफटॉप योजना शून्य प्रसंस्करण/दस्तावेजीकरण प्रभार के साथ, 6.50% की शुरूआती आकर्षक ब्याज दरों और 120 माह की चुकौती अवधि वाली 10 किलोवाट तक के सोलर पावर सिस्टम के लिए का वित्तपोषण प्रदान करती है।

फॉर्च्यून कच्ची घानी सरसों तेल ने अचार का परफेक्ट जोड़ीदार के नए सीजन में मस्कट नानी के साथ अचार बनाने की परंपरा को फिर से जगाया

मुंबई/पटना। एक अग्रणी भारतीय खाद्य और एफएमसीजी कंपनी और प्रतिष्ठित फॉर्च्यून ब्रांड की निमार्ता एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड (पूर्व में अदाणी विल्मर लिमिटेड) ने अपने उत्पाद फॉर्च्यून कच्ची घानी सरसों तेल के लिए अपने बहुचर्चित अभियान, अचार का परफेक्ट जोड़ीदार का तीसरा सीजन लॉन्च किया है। इस बार, अभियान में अचार बनाने वाली एक अनूठी मस्कट नानी को शामिल किया गया है, जो अचार बनाने की पुरानी पीढ़ी की परंपरा और कला को वापस लाती है। इस पहल पर एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड के ज्वाइंट प्रेसिडेंट (सेल्स एवं मार्केटिंग) श्री मुकेश मिश्रा ने कहा, फॉर्च्यून में हमारा मानना है कि भोजन पोषण से कहीं अधिक है। यह स्मृति, प्रेम और अपनापन है। अचार का परफेक्ट जोड़ीदार के साथ, हम एक बार फिर अचार बनाने की पारंपरिक कला का सम्मान करते हैं और साथ ही पुरानी पीढ़ी के लोगोंद्वारा निभाई गई भूमिका को पहचानते हैं, जिन्होंने अभी भी हमारे देश के विभिन्न क्षेत्रों में पारंपरिक खाद्य संस्कृति को संरक्षित रखा है और पीढ़ियों के बीच संबंधों का निर्माण किया है। जैसे-जैसे भागदौड़ भरी जिंदगी हमें पारंपरिक प्रथाओं से दूर ले जाती है, यह अभियान हमें घर वापस लाएगा। फॉर्च्यून में, हम ऐसी बारीकियों को महत्व देते हैं जो हमें अपने ग्राहकों को बेहतर तरीके से जुड़ने और क्षेत्रीय पाक प्राथमिकताओं के साथ अच्छी तरह से जुड़ने में मदद करती हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जिला परिषद पालघर में किशोरियों का प्रेरणादायी दौरा, महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की ली जानकारी

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में गुरुवार 5 जून 2025 को दहानू तहसील की किशोरियों ने महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय का शैक्षणिक दौरा किया। इस विशेष पहल का आयोजन जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर के मार्गदर्शन में किया गया।

इस मौके पर किशोरियों को विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। हुंडेकर ने बताया कि एकीकृत बाल विकास सेवा के अंतर्गत गांव स्तर पर पोषण आहार, स्वास्थ्य जांच, शिक्षा के लिए प्रोत्साहन और स्वास्थ्य से जुड़ी सलाह जैसी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इसके अलावा उन्होंने किशोरियों को मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजना, लेक लाडकी योजना, बेबी किट योजना, अमृत आहार योजना, स्कूल जाने वाली छात्राओं को साइकिल वितरण, कंप्यूटर और कौशल प्रशिक्षण, कन्यादान सामग्री वितरण, विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाली बालिकाओं का सत्कार जैसी योजनाओं के बारे में भी बताया। महिलाओं के सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी। कार्यक्रम में चाइल्ड लाइन 1098 हेल्पलाइन नंबर की जानकारी देते हुए संकट की स्थिति में इस नंबर पर तुरंत संपर्क करने की अपील की गई। किशोरियों को बाल विवाह के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया और सभी ने संकल्प लिया कि वे न तो स्वयं बाल विवाह करेंगी और न ही अपने आसपास ऐसा होने देंगे। यदि किसी को बाल विवाह की जानकारी मिलती है, तो तुरंत चाइल्ड लाइन पर सूचना देंगे। कार्यक्रम के समापन पर किशोरियों को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रकाशित हेही दिवस आनंदाचे नामक पुस्तिका भेंट की गई तथा उनके उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

मुंबई उपनगर के नये युवा जिलाधिकारी सौरभ कटियार का सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई उपनगर के नये जिलाधिकारी सौरभ कटियार अपना पदभार ग्रहण करने पर उनके बांद्रा स्थित कार्यालय पर मुंबई के समाज सेवकों द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवी डॉ.बाबूलाल सिंह पटेल,घनश्याम कटियार,सुबोध कुमार सिंह,श्रीमती कुसुम प्रताप सिंह, डॉ. आर.एम.पाल, युवा समाज सेवक डॉ. दीपक सिंह पटेल, डॉ.सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड एसोसिएशन) द्वारा शाल एवम पुष्पगुच्छ देकर युवा जिलाधिकारी सौरभ कटियार का सम्मान किया गया।

योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व और राष्ट्र चेतना के सजग प्रहरी : कृपाशंकर सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने कहा कि योगी आदित्यनाथ जन-जन के प्रिय तथा सनातन संस्कृति के संरक्षक होने के साथ-साथ हिंदुत्व और राष्ट्रीय चेतना के सजग प्रहरी हैं । उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में सुरक्षा, शांति और विश्वास मजबूत हुआ है। यही कारण है कि आज अंतरराष्ट्रीय कंपनियां भी उत्तर प्रदेश में निवेश कर रही हैं। अपराधियों का लगातार सफाया हो रहा है। जनता अमन के साथ जीवन यापन कर रही है। कृपाशंकर सिंह ने कहा कि योगी आदित्यनाथ को प्रदेश की जनता के साथ-साथ देश की जनता का भी भरपूर आशीर्वाद मिल रहा है। आज योगी आदित्यनाथ अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता योगी आदित्यनाथ के साथ खड़ी दिखाई दे रही है। 2027 विधानसभा चुनाव में उनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी।

पर्यावरण दिवस पर डहाणू नगरपालिका क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार 5 जून 2025 को पालघर जिले के डहाणू शहर मंडल (नगरपालिका) क्षेत्र में वृक्षारोपण के विशेष अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हरित क्षेत्र को बढ़ावा देना, प्रदूषण को कम करना और नागरिकों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना था। वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व डहाणू के पूर्व नगराध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी पालघर जिला अध्यक्ष भरतभाई राजपूत ने किया। उनके मार्गदर्शन और उपस्थिति में वृक्षारोपण कार्यक्रम ने एक प्रेरणादायी वातावरण निर्मित किया।सभी सहभागियों ने एकजुट होकर विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश फैलाया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने पौधों की देखभाल की शपथ ली और इस पुनीत कार्य को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर डहाणू शहर मंडल अध्यक्ष पिनल शहा, पूर्व नगरसेवक रमेश काकड, संदेश पाटील, श्रीकांत ठक्कर, प्रफुल्ल पाटील, डहाणू युवा मोर्चा अध्यक्ष राज पटेल, पालघर जिला युवा मोर्चा उपाध्यक्ष दक्षेस पाटील, पालघर जिला महिला उपाध्यक्ष सुजाता माली, महिला मोर्चा अध्यक्ष रश्मी पांचाल समेत कई अन्य महिला कार्यकर्ता एवं समाजसेवी फयाज खान, राकेश सरवैया, मोईज शेख, जिग्निल पाटील आदि उपस्थित रहे। डहाणू शहर में इस प्रकार के आयोजनों से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरित वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में भी यह एक सशक्त कदम है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर केडीएमसी ने लगाए तीन हजार पौधे

कल्याण (उत्तरशक्ति)। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका की ओर से वृक्षारोपण का विशेष आयोजन किया गया। कल्याण पश्चिम के उंबर्डे गांव स्थित अमृत प्रकल्प परिसर में कुल तीन हजार पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम में केडीएमसी आयुक्त अभिनव गोयल, विधायक सुलभा गायकवाड और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया गया। इस उपक्रम में एमएमआरडीए, रोटरी क्लब, विभिन्न सामाजिक संस्थाएं, स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभाग लिया।आयुक्त अभिनव गोयल ने बताया कि इस वर्ष वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम न होकर एक जनआंदोलन के रूप में मनाया जा रहा है। एक विद्यार्थी एक वृक्ष जैसी संकल्पनाओं के माध्यम से यह मुहिम आगे बढ़ाई जा रही है।

उन्होंने यह भी कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन की गतिविधि तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हर महीने पर्यावरण संरक्षण के लिए विभिन्न उपक्रम चलाए जाएंगे।

इस अवसर पर महापालिका के मुख्य उद्यान अधीक्षक संजय जाधव, उपायुक्त प्रसाद बोरकर, सहायक आयुक्त स्वाती गाडे, विजय सरकटे और अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने पर्नोड रिकार्ड इंडिया प्रतिबद्ध

मुंबई। पर्नोड रिकार्ड इंडिया में, स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता एक विश्वास द्वारा निर्देशित है - कि वास्तविक प्रगति लोगों द्वारा संचालित नवाचार, ग्रह-सकारात्मक मॉडल और उद्देश्य-आधारित भागीदारी के चौराहे पर निहित है। विश्व पर्यावरण दिवस पर, जैसे-जैसे प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए वैश्विक आह्वान तेज होता जा रहा है, हम दीर्घकालिक समाधानों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो समावेशी और नवाचार-आधारित हैं।

पर्नोड रिकार्ड इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एकीकृत संचालन, स्थिरता एवं उत्तरदायित्व श्री गगनदीप सेठी ने बताया कि आईआईटी कानपुर के साथ हमारे डीप-टेक सर्कुलरिटी एक्सेलेरेटर अद्वय और आईआईएम बैंगलोर के साथ सोशल इम्पैक्ट इनक्यूबेटर के माध्यम से, हम उद्यमियों को प्लास्टिक रिकवरी के भविष्य का निर्माण करने में सक्षम बना रहे हैं - बायोप्लास्टिक, प्लास्टिक-टू-एनर्जी और उन्नत रीसाइक्लिंग में। इन पहलों ने पहले ही लैंडफिल से 4.6 लाख किलोग्राम से अधिक प्लास्टिक और कृषि-अपशिष्ट को हटा दिया है, जो स्केलेबल पर्यावरणीय कार्रवाई को आकार देने में उद्यम की भूमिका की पुष्टि करता है। पूर्वोत्तर भारत में हमारा प्रकृति इनक्यूबेशन लॉन्चपैड स्वदेशी ज्ञान में निहित सर्कुलर समाधानों का समर्थन करके इस दृष्टिकोण को मजबूत करता है - यह सुनिश्चित करता है कि हमारा दृष्टिकोण स्थानीय रूप से लंगर डाले और समुदाय-संचालित रहे।

श्री सेठी ने आगे कहा कि हम अपने स्वयं के संचालन के भीतर भी सर्कुलरिटी को आगे बढ़ा रहे हैं। ब्लेंडर्स प्राइड और रॉयल स्टैग की हमारी थोक 2-लीटर की बोतलों में अब 30% खाद्य-ग्रेड रिसाइकिल किया हुआ ढएळ शामिल है, जो वैश्विक और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप है। हमने प्रदर्शन को बेहतर बनाने और प्लास्टिक के उपयोग को काफी कम करने के लिए हल्के वजन वाले कैप्स तैयार किए हैं - गुणवत्ता और उपभोक्ता सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए टिकाऊ परिपत्र डिजाइन की ओर एक निर्णायक बदलाव।

यह विश्व पर्यावरण दिवस एक अनुस्मारक है कि प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए सामूहिक संकल्प की आवश्यकता है।

भारत का अनौपचारिक अपशिष्ट कार्यबल, जो अक्सर अदृश्य होता है, लेकिन अपरिहार्य होता है, को समाधानों को कैसे डिजाइन और वितरित किया जाता है, इस पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। पर्नोड रिकार्ड इंडिया में, हम लोगों द्वारा संचालित, ग्रह-सकारात्मक प्रणालियों का निर्माण करना जारी रखेंगे जो पर्यावरणीय स्वास्थ्य और सामाजिक समानता को प्राथमिकता देते हैं।

भारतीय कार्यस्थलों के लिए मानसिक स्वास्थ्य की नई दिशा: लिव लव लाफ फाउंडेशन ने पेश किया डेटा-आधारित रोडमैप

मुंबई (उत्तरशक्ति)। द लिव लव लाफ फाउंडेशन जो 2015 में स्थापित एक चैरिटेबल ट्रस्ट है, ने आज अपने कॉर्पोरेट मेंटल हेल्थ एंड वेल-बीइंग प्रोग्राम की शुरूआत की। यह एक व्यापक और शोध-आधारित पहल है, जिसे पूरे भारत में संगठनों को मानसिक रूप से मजबूत कार्यस्थल तैयार करने में मदद करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है।

मैकिन्से हेल्थ इंस्टीट्यूट द्वारा 2023 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि भारतीय कर्मचारियों में बर्नआउट, चिंता, डिप्रेशन और मानसिक तनाव के लक्षण बड़े पैमाने पर देखे जा रहे हैं। करीब 60% कर्मचारियों ने बर्नआउट की शिकायत की, जबकि 51% ने बताया कि वे काम के भारी दबाव में हैं। ये आंकड़े कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को लेकर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। डॉ. श्याम भट, चेयरपर्सन, द लिव लव लाफ फाउंडेशन ने कहा, भारतीय कंपनियों को सिर्फ कर्मचारी सहायता कार्यक्रमों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। सालाना सर्वेक्षण या तात्कालिक उपायों की बजाय, हमें कार्यस्थल की मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों की जड़ तक पहुंचने और उन्हें दूर करने के लिए डेटा-आधारित और व्यवस्थित दृष्टिकोण अपनाना होगा। किरण मजूमदार-शॉ, ट्रस्टी, द लिव लव लाफ फाउंडेशन एवं चेयरपर्सन, बायोकॉन ग्रुप ने कहा, मानसिक स्वास्थ्य हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य का एक जरूरी हिस्सा है, और कंपनियों को समझना चाहिए कि इसका सीधा असर उनकी उत्पादकता, नवाचार और दीर्घकालिक मजबूती पर पड़ता है। अगर कर्मचारी तनाव में हैं और कार्य से जुड़ाव नहीं महसूस कर रहे, तो यह उनकी क्षमता और नए विचारों को बाधित करता है, जिससे कारोबार और अर्थव्यवस्था दोनों प्रभावित होते हैं।

अर्थ वेंचर फंड की निवेश प्रक्रिया लगभग पूर्ण

मुंबई। अर्थ इंडिया वेंचर्स फैमिली ऑफिस द्वारा प्रायोजित किया गया अर्थ वेंचर फंड I' (AVF I) भारत के अग्रणी अर्ली-स्टेज माइक्रो वेंचर कैपिटल फंड्स में से एक है और अब यह लगभग पूर्ण निवेश चरण में प्रवेश कर चुका है। फंड ने अब तक ३२ सीड-स्टेज स्टार्टअप्स में १७५ करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। प्रारंभ से ही फंड ने ६१ प्रतिशत का आंतरिक प्रतिफल अर्जित किया है, जो उद्योग की औसत दर ३५ प्रतिशत की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन दशार्ता है। इस शानदार निष्पादन के चलते, AVF I को वैश्विक स्तर पर शीर्ष ५ माइक्रो वीसी फंड्स में स्थान मिला है।

वित्त वर्ष २०२४-२५ के भीतर ही अश्त्रक्रके पोर्टफोलियो में शामिल स्टार्टअप्स ने मिलकर २,१०० करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित किया है। इनमें से दो स्टार्टअप्स का वर्तमान मूल्यांकन प्रति कंपनी ४०० मिलियन अमेरिकी डॉलर (3,300 करोड़ रुपये) से अधिक है। फंड का वास्तविक प्रतिफल अनुपात लगभग २० प्रतिशत तक पहुंच गया है, जिसमें हाल ही में हुई सफल आंशिक निकासी ने, विशेष रूप से एवरेस्ट फ्लीटसे, महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अर्थ वेंचर फंड के मैनेजिंग पार्टनर अनिरुद्ध ए. दमानी ने कहा, परिवार की पूंजी को एक छोटे-से प्रयोग के रूप में फंड के जरिये प्रबंधित करने की जो पहल हमने शुरू की थी, वह आज एक शक्तिशाली पोर्टफोलियो बन चुकी है, जो सीधे तौर पर 20,000 से अधिक और अप्रत्यक्ष रूप से 1,00,000 से अधिक लोगों को रोजगार देती है। कई मायनों में हम अपनी फंड यात्रा के ठीक मध्य बिन्दु पर हैं—और आगे के चार वर्ष इन असाधारण उद्यमों को, अन्तरिक्ष से लेकर आपके घर के नीचे तक टैक्सी पहुँचाने वाले रेडियो-टैक्सी मॉडल तक, और भी ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए शेष हैं। हमारे आँकड़े बेहद उत्साहजनक हैं, पर अभी भी अपार ऊर्जा और मूल्य उजागर होना बाकी है। हमारा ध्यान एकदम साफ है—भारत का पहला ऐसा वीसी फंड बनाना जो 10× DPI रिटर्न दिलाए। साल २०१८-१९ में आरंभ हुआ और जुलाई २०२१ में २२५ करोड़ पर बंद हुआ AVF I अब तक ५० से अधिक निवेश राउंड्स में भाग ले चुका है। इसके पोर्टफोलियो में एवरेस्ट फ्लीट, अग्निकुल, लेंडेनक्लब, गेटवर्क, लेमनिस्क, इंस्टाअस्ट्रो, दालचिनी और निर्मालया जैसे होनहार स्टार्टअप्स शामिल हैं। AVF I की शीर्ष १० पोर्टफोलियो कंपनियों में से ६ कंपनियां अच्छा लाभ कमा रही हैं, और इन कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय संस्थागत निवेशकों और प्रमुख कॉर्पोरेट वीसी फंड्स से अगले दौर की फंडिंग प्राप्त हुई है। मार्च २०२५ में प्रेक्विन द्वारा प्रकाशित परफॉर्मेंस बेंचमार्क रिपोर्ट में अश्त्रक को भारत का पहले नंबर का वीसी फंड घोषित किया गया है। यह २०१८ में शुरू हुए समकक्ष वीसी फंड्स में AVF I के सर्वश्रेष्ठ होने की पुष्टि करता है। रिपोर्ट के अनुसार, फंड का कुल प्रतिलाभ अनुपात भारतीय रुपये में ३.७५ गुना और अमेरिकी डॉलर में ३.४० गुना दर्ज किया गया है।

सीड इन्वेस्टमेंट चरण के पूर्ण होने के बाद अब अश्त्रक शेष पूंजी का निवेश केवल उच्च प्रदर्शन करने वाली पोर्टफोलियो कंपनियों के फॉलो-ऑन राउंड्स में करने की दिशा में अग्रसर है। इसी रणनीतिक मार्गदर्शन का अगला कदम है अर्थ सिलेक्ट फंड

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

युवा पीढ़ी प्रकृति के उपहारों का समझे महत्व: कुलपति

- अराइज एंड अवेक के सहयोग से लगी पोस्टर प्रदर्शनी
- विश्व पर्यावरण दिवस पर हुआ पौधारोपण
- एक सप्ताह के योग शिविर की हुई शुरूआत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में राज भवन के दिशा- निर्देश पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के 10 कार्यक्रमों के अंतर्गत गुरुवार को प्रकृति के महत्व पर अराइज एंड अवेक संस्था के सहयोग से एक ज्ञानवर्धक पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में पेड़ की उपयोगिता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व को दर्शाने वाली जानकारी दी गई। प्रदर्शनी का उद्घाटन फामेर्सी संस्थान में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने किया। इसके आयोजन का उद्देश्य प्रकृति के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा। कुलपति ने कहा कि हमारे आसपास बहुत सारे ऐसे पौधे हैं जिनके उपयोग से हमें लाभ है और जो हमारे लिए बहुउपयोगी है। आज की युवा पीढ़ी को इसके महत्व को जानने की जरूरत है। हमारे भारतीय समाज में पेड़ों के प्रति बहुत ही आस्था रही है। पेड़ों के संरक्षण का ज्ञान हमारे पूर्वजों ने हमें दिया है। आज की पीढ़ी प्रकृति के उपहारों का महत्व समझे। परीक्षा नियंत्रण डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि पेड़-पौधो के बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। आज पूरी दुनिया पर्यावरण के प्रति संवेदनशील है। हम सभी को अपने स्तर पर कोई भी ऐसा कृत्य नहीं करना चाहिए जिससे प्रकृति को कष्ट हो। इस प्रदर्शनी का संयोजन डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. विवेक पाण्डेय एवं डॉ. अवधेश मौर्य ने किया. प्रदर्शनी में पौधों के महत्व को बखूबी दशार्या गया। इसके साथ ही पर्यावरण विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों द्वारा इको ब्रिक्स फॉर्मेशन फॉर प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट, बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन, वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट, पॉल्यूशन मैनेजमेंट, बायोडायवर्सिटी लॉस, ग्रीन टेक्नोलॉजी, बेनिफिट्स ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी ,फैक्टर ऑफ बायोडायवर्सिटी लॉस, ग्राउंडवाटर कंजर्वेश विषय पर पोस्टर लगाए गए. इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. राकेश यादव, प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो बीड़ी शर्मा, डॉ. राज बहादुर यादव, डॉ. धीरेन्द्र समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

इसी क्रम में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुक्तांगन में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह एवं कुलसचिव महेंद्र कुमार ने पौधरोपण किया। ग्रीन कमेटी के संयोजक प्रो. राजकुमार एवं अन्य शिक्षक, कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय के विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाये। मुक्तांगन में एक सप्ताह का योग शिविर प्रारंभ हुआ। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने प्रतिभागियों के साथ योग किया।योगाचार्य जय सिंह ने जॉइंट रोटेशन, लोलक आसन, ताड़ासन, कोनआसन, तितली आसन, बुद्ध कोणासन, कपालभाति प्राणायाम, शव आसन एवं योग निद्रा मेडिटेशन कराया। इसका संयोजन नोडल अधिकारी डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नकाबपोश बदमाशों ने दूल्हे की गाड़ी पर किया हमला, वाहन क्षतिग्रस्त

रियाजुल हक, जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के नाथूपुर गांव से परियावा के लिए बारात जा रही दूल्हे की गाड़ी पर बुधवार को रात में अज्ञात हमलावरों ने हथौड़े से हमला कर दिया। चालक कि सावधानी से हमलावर केवल गाड़ी के शीशे को ही तोड़ कर पाए। चालक की सावधानी से दूल्हे पर हमला नहीं हो पाया। बदमाश मौके से फरार हो गए। मामले की सूचना जफराबाद पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मामले की छानबीन करने में लग गई है। नाथूपुर गांव निवासी वीरेंद्र यादव के पुत्र सतीश यादव की शादी के लिए लाइन बाजार थाना क्षेत्र के परियावा गांव के लिए निकली। रात करीब 8:30 बजे दूल्हे के लिए सजाई गाड़ी घर से निकली। गाड़ी में दूल्हा सतीश के साथ परिवार के अन्य बैठे हुए थे। जफराबाद थाना क्षेत्र के जगदीशपुर सिंह कोल्ड स्टोर से थोड़ा आगे एकांत में दो अज्ञात हमलावर मुंह बांधकर दो पहिया वाहन से आए। हथौड़े से दूल्हे की गाड़ी पर हमला कर दिया। गाड़ी चालक अरुण कुमार चौरसिया निवासी कस्बा जफराबाद मौके की गंभीर स्थिति देखते हुए हमलावरों से बचने के लिए गाड़ी को तेज गति से आगे बढ़ा दिया। थोड़ी दूर पर नेवादा चौराहे पर गाड़ी ले जाकर रोका। हमलावर पकड़े जाने के डर से मौके से फरार हो गए। चालक व मालिक अरुण चौरसिया ने मामले की सूचना तत्काल जफराबाद पुलिस को दिया। चौकी प्रभारी मनोज कुमार राय ने बताया कि हमलावरों की तलाश करने में पुलिस लग गई है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। जल्दी ही हमलावर के गिरफ्त में होंगे।

संदिग्ध परिस्थितियों में जिला अस्पताल में उपचार के दौरान किशोरी की मौत

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय क्षेत्र के पोरईखुर्द गांव निवासी एक किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में बुधवार की रात जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस को सूचना मिलने पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। चर्चा है कि किशोरी ने कोई विषैला पदार्थ खा लिया था।उक्त गांव निवासी रमेश यादव की 16 वर्षीय पुत्री सोनम अपने पिता के साथ मुंबई रहती थी। कुछ महीने पहले वह घर आई थी। बुधवार की देर शाम उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिजन खेतासराय में एक हास्पिटल ले गए। हालत गंभीर देख डाक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। किशोरी की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी रामाश्रय राय ने बताया कि अस्पताल से मेमो आया था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

दो पहिया वाहन की टक्कर में दो युवक घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय नगर के पंजाब नेशनल बैंक के पास बुधवार की देर शाम दो बाइकों की टक्कर में दो युवक घायल हो गए। घायलों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। खुटहन थाना क्षेत्र के तिघरा गांव निवासी 32 वर्षीय मुकेश पुत्र दयाशंकर बाइक से कहीं जा रहा था। पीएनबी बैंक के पास सामने बाइक से आ रहे। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के पोटरिया गांव निवासी 26 वर्षीय मो.समीर पुत्र शमीम अहमद से टक्कर हो गई। जिसमें दोनों बाइक सवार युवक घायल हो गए।

नींद की झपकी ने ली ट्रैक्टर चालक की जान, 10 फीट गहरी खाई में गिरा वाहन

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में एक ट्रैक्टर चालक के झपकी आने पर वाहन 10 फीड फीट नीचे जा गिरी। जिसके नीचे दबकर चालक की मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। वाराणसी जिले के जंसा थाना क्षेत्र के जीवरामपुर (शंभुपुर) गांव के समीप गुरुवार को मिट्टी खनन में लगे ट्रैक्टर चालक को अचानक झपकी आई, जिससे अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर लगभग 10 फीट गहरी खाई में पलट गया। घटना में ट्रैक्टर चला रहे चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पूरे मामले के तह तक जाए तो बताया जाता है कि खरगूपुर गांव निवासी शिवपूजन बनवासी (19) पुत्र प्यारेलाल बनवासी अवैध मिट्टी खनन में लगे ट्रैक्टर से मिट्टी लादकर क्षेत्र के एक भट्ठे पर गिराने गया था। लौटते समय वह जीवरामपुर गांव के समीप पहुंचा ही था कि उसे झपकी आ गई। जिससे ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर गहरे खाई में पलट गया। घटना देख आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और ट्रैक्टर पर सवार उसके अन्य सहयोगियों के साथ चालक को बाहर निकाल कर एक निजी अस्पताल ले गए। इससे पहले रास्ते में ही चालक ने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की दो माह बाद शादी होने वाली थी। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मां रेनू देवी का रो- रो होकर बुरा हाल है। मृतक दो भाई बहनों में बड़ा था और ड्राइवर का काम करके परिवार का भरण पोषण करता था। पिता विकलांग हैं, वह घर पर ही रहते हैं।

सीएम के जन्मदिन पर 53 दिव्यांगों को वितरित किया ट्राइसाइकिल, लगाये गए दो सौ पौधे

टीडी इंटर कालेज में राजपूत सेवा समिति के द्वारा आयोजित हुआ कार्यक्रम

केक काटने के साथ आयोजित हुआ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मोत्सव पर गुरुवार को तिकधारी सिंह इंटर कालेज परिसर में राजपूत सेवा समिति के सदस्यों द्वारा 53 दिव्यांग दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल वितरित कर मार्कण्डेय सिंह हाल में केक काटकर विद्यालय के छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर दीघार्यु और यशस्वी होने की कामना किया गया। साथ पर्यावरण दिवस पर विद्यालय परिसर के बाहर एतिहासिक पुराने तालाब पर एक वृक्ष मां के नाम से लोगो ने दो सौ पौधों रोपे गए। अतिथियों ने उक्त ऐतिहासिक तालाब के सुंदरीकरण कराने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाराष्ट्र सरकार के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश को सुशासन और विकास के पथ पर अग्रसर कर नित नए मापदंड स्थापित कर रहा है। आठ साल पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में माननीय योगी आदित्यनाथ जी के जैसे संत का हुआ। और ऐसे ही एक संत का प्रधानमंत्री के रूप में हुआ। दो संत पूरे देश में देख रहे है कि हमारा धर्म, सनातन, हमारा विकास। उन्होंने टीडी कालेज परिसर में स्थित अमृत सरोवर के जीर्णोद्धार के लिए मंचासीन लोगो से मांग किया। कहा कि अगली बार जब यहां कार्यक्रम हो तो इस तालाब को देखने के लिए दूर दूर से लोग आयेगे।

जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र सिंह ने उक्त कार्यक्रम दिव्यांगजनो को समर्पित करते हुए कहा अधिकारियों का काम सरकार की योजनाओं को पात्रता के क्रम में सभी के बीच लाकर एक ऐसा वातावरण सृजित करना है जहां पर गरीब व्यक्ति यह एहसास कर सके कि सरकार में उसकी हिस्सेदारी है उसका भाव है। उत्तर प्रदेश सरकार का एक लक्ष्य एक पौधा मां के नाम, एक पौधा पिता के नाम व एक पौधा अपने गुरु के नाम पर अवश्य लगाए। कहा कि हाइवे के निकलने से जौनपुर में वन का क्षेत्र कुछ घटा है। उसकी पूर्ति के लिए सभी मिलकर पौधा लगाएंगे तभी पर्यावरण की रक्षा होगी। जिलाधिकारी ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री जी का यह निर्देश है कि प्रत्येक जनपद के एक नदी का जीर्णोद्धार कराया जाय। इसके लिए हम सब लोग एक नदी की तलाश कर रहे है और सभी लोग सेवा और संकल्प के साथ उस नदी के जीर्णोद्धार में लगे। बेहतरीन आयोजन के लिए उन्होंने राजपूत सेवा समिति का आभार व्यक्त किया।

विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह प्रिंसू ने कहा कि महंत से राजनेता बनने तक का उनका सफर कई उतार चढ़ाव और चुनौतियों से भरा रहा। उन्होंने प्रदेश में विकास के मार्ग में बाधक बने माफियाओं को कड़ा जवाब दिया और विकास की राह को आसान बनाया। राजपूत सेवा समिति के सदस्य ओम प्रकाश सिंह ने आयोजकों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के रूप रेखा के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम में शाहगंज के विधायक रमेश सिंह, पुलिस अधीक्षक डा. कौस्तुभ, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खड़िया, पूर्व विधायक डा. हरेंद्र प्रताप सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, बीएचयू के प्रोफेसर आर एन त्रिपाठी, सीटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह, ब्लाक प्रमुख महराजगंज विनय सिंह, ब्लाक प्रमुख मुंगराबादशाहपुर सत्येंद्र सिंह फंटू, टीडी कालेज के प्रबंधक राघवेन्द्र सिंह व सत्य प्रकाश सिंह, भाजपा महामंत्री सुशील मिश्र, वीरेंद्र प्रताप सिंह, रत्नाकर सिंह, कुंवर रवींद्र प्रताप सिंह, अजीत सिंह, प्रदीप सिंह सफायर, शशि सिंह, डा. आलोक सिंह, सिद्धार्थ सिंह, सर्वेश सिंह, डा. अंजना सिंह, डा. विकास सिंह ,आसुतोष सिंह,सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। संचालन शरद सिंह व आभार विद्यालय के प्रधानाचार्य डा. सत्य प्रकाश सिंह ने ज्ञापित किया।

आइये आज ही अपने नाम का पौधा लगाएं और आने वाले कल को खूबसूरत बनाएं: सोनाली सिंह

◆ **सांसें हो रही है कम, आओ पेड़ लगाए हम**

केराकत, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज दिनांक 05 जून,2025 को नगर पंचायत केराकत द्वारा वार्ड नालापार के नावघाट पर घाटों की विशेष साफ सफाई कराई गई,पौधारोपण का कार्य पूरे विधिवत कराया गया तत्पश्चात डीपीओ जौनपुर द्वारा ग्रीन प्लेज शपथ स्वच्छ भारत हरित भारत का शपथ दिलाया गया और प्रतिबंधित प्लास्टिक को उपयोग न करने और प्लास्टिक से पर्यावरण पर होने वाले वाले दुष्प्रभाव के बारे में बताया गया।इस अवसर पर जौनपुर जिले से आयीं डीपीओ सोनाली सिंह नें कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस पर आइए हम सब मिलकर यह संकल्प लें प्रकृति के संरक्षण एवं संतुलन को बनाये रखनें के लिए सतत प्रयास करेंगे। स्वास्थ्य जीवन के लिए स्वच्छ पर्यावरण आवश्यक है। यह हमारा सामूहिक कर्तव्य है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरित, स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करें।उक्त कार्यक्रम के दौरान वाराणसी मंडल अध्यक्ष भाजपा ऋषभ पाठक, डीपीओ जौनपुर सोनाली सिंह (नमामि गंगे), वन विभाग से डिप्टी रेंजर कृष्ण कुमार सिंह, अमित सिंह, रामजीत पाल, आशीष, नगर पंचायत केराकत कार्यालय के कम्प्यूटर आपरेटर अमित कुमार साहनी, वार्ड के सभासद प्रतिनिधि संजय बाबा, राहुल, मुनील, सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संतुलन का दिया संदेश

एक पेड़ मां के नाम मुहिम का आगाज

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अब्दुल अजीज अंसारी डिग्री कॉलेज, मजडीहा में वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रबंधक कहकशां खान ने पीपल का पौधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एनएसएस प्रभारी द्वारा नीम का पौधा लगाया गया तथा उपस्थित प्रवक्ताओं एवं छात्र-छात्राओं ने भी विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्रबंधक ने कहा, वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण की बढ़ती समस्या का समाधान केवल अधिक से अधिक वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण के माध्यम से ही संभव है। पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते। बल्कि पृथ्वी के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, हरा-भरा और सुरक्षित पर्यावरण छोड़ना है। इसके लिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल भी करे। इस अवसर पर सचिव, मिर्जा अजफर बेग डॉ0 सलीम खान ,प्रवक्ता डॉ. सिमी, डॉ. विरी जीवी, आशीष कुमार अस्थाना, लालचन्द्र, अनुराग यादव आदि उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य एनपी उपाध्याय ने किया।

इसी कड़ी में एक पेड़ मां के नाम, मुहिम में शाहगंज वन विभाग के अधिकारियों ने वन क्षेत्राधिकारी राकेश कुमार के नेतृत्व में क्षेत्र के गूजर ताल, नौली में भी वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें ग्राम प्रधान रोशन लाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण, शाहगंज रेंज के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। इस अवसर पर पीपल, बरगद व नीम के साथ-साथ शीशम, कंजी, कदम्ब, आम आदि पौधों का सामूहिक रूप से रोपण किया गया। कार्यक्रम में प्रधान रोशन लाल को वन क्षेत्राधिकारी शाहगंज द्वारा आम का पौधा भेंट किया गया। वहीं रेंज अधिकारी ने उपस्थित जनसमूह को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में जय हिंद यादव, ईश्वर चंद्र गोरख प्रसाद, सरिता यादव, दुर्गेश यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

ईद उल अजहा 7 जून शनिचर को, शहर की विभिन्न इबादतगाहों में नमाज का वक़्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ईद उल अजहा पर शहर की विभिन्न इबादतगाहो में नमाज का वक़्त...

1. शाही ईदगाह मछली शहर पड़ाव 8:15 बजे
2. मस्जिद हादी रजा पॉलीटेक्निक चौराहा 8: 20
3. शाही शर्की बड़ी मस्जिद 8:30 बजे
4. मदीना मस्जिद नवाब साहब का अहाता सर यूसुफ रोड 7:30 बजे
5. हकीमी जामा मस्जिद बाग ए अरब 7 बजे
6. शाही मस्जिद राजे बीबी लाल दरवाजा 6:30 बजे
7. शाही दारा शिकोह जामा मस्जिद मियांपुर 6:30 बजे
8. आया मस्जिद 7 बजे
9. मस्जिद खानकाह रशीदिया 8 बजे
10. मस्जिद मोहम्मद हसन इंटर कॉलेज 6:40 बजे
11. नकी फाटक 9 बजे
12. कल्लू इमामबारगाह 9:30 बजे
13. शिया ईदगाह सदर इमामबाड़ा 9 बजे
14. जामा मस्जिद बल्लोच टोला 7:15 बजे
15. मदीना मस्जिद सब्जी मंडी 8 बजे
16. आलम मस्जिद नसीब खाँ मंडी 6 बजे
17. मस्जिद मदरसा बोधकरपुर

डॉक्टरेट की मानद उपाधि से विभूषित हुए डॉ.सुधाकर दुबे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र में जनता जनार्दन की निस्वार्थ व निश्छल मन से स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा कर रहे हरिप्रभा वेलनेस ट्रस्ट (ग्राम कोदहुं) के डायरेक्टर व स्वास्थ्य सलाहकार डॉ सुधाकर दुबे को IPAC, नई दिल्ली द्वारा स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान को मान्यता देते हुए डॉक्टरेट की मानद उपाधि (Honorary Doctorate) से सम्मानित किया गया। जिससे जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है और सोशल मीडिया से लेकर फोन कर उन्हें बधाई देने का सिलसिला चल पड़ा। डॉ सुधाकर ने कहा कि यह सम्मान मेरे सेवा-यात्रा का एक प्रेरणास्पद पड़ाव है। असहाय और जरूरतमंद लोगों की बिना भेदभाव से सेवा व मदद करते रहना हम सबकी जिम्मेदारी है और हमेशा इस कार्य में समर्पित हूं।

शहाना इंटरनेशनल स्कूल में वृक्षारोपण कर मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस, एक पेड़ मां के नाम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शहाना इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन, डायरेक्टर, प्रधानाचार्या, शिक्षक गण एवं अन्य कर्मचारीगण द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण किया गया, चेयरमैन जी. एस कुरैशी ने सभी से बढ़ते हुए प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की तथा पर्यावरण को शुद्ध एवं स्वास्थ्य वर्धक बनाने हेतु जागरूक किया। वहीं संस्थान के डायरेक्टर शम्स आलम ने बताया विश्व पर्यावरण दिवस हर साल 5 जून को मनाया जाता है। इसकी शुरूआत 1973 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए की गई थी। इस दिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जैसे वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए गोष्ठी। हर साल एक अलग विषय चुना जाता है, जो पर्यावरण के सामने आने वाली किसी खास चुनौती पर फोकस करता है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारा एकमात्र आवास है और इसका संरक्षण करना हमारा सामूहिक दायित्व है। वृक्षारोपण के लिए लोगो से अपील करते हुए लोगो से बताया की वृक्षारोपण बहुत आवश्यक है क्योंकि पेड़ पर्यावरण को ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और वायु की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं। यदि अधिक पेड़ लगाए जाएं, तो दुनिया का पर्यावरण रहने के लिए एक सुरक्षित स्थान बन जाएगा। वृक्षारोपण से प्रदूषण भी कम होता है, जिससे आने वाली पीढ़ियों का जीवन सुरक्षित हो जाता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यापक मनोज जाने आलम, धर्मेंद्र, अजय, विवेक, शहनवाज, शमीम, जेबा, शाजिया, कहकशां, सबा, अनुप्रिया, पूर्णिमा, समरीन प्रीति, अजरा, शहनाज, इत्यादि सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के दीर्घायु होने के लिए किया गया लाल मिर्च से यज्ञ

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में उत्तर प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन जगह-जगह बड़े ही धूमधाम, पूजा पाठ सहित मां गंगा का पूजन कर किया जा रहा है। लोग इस उद्देश्य के साथ पूजन अर्चन कर रहे हैं कि मुख्यमंत्री दीघार्यु हो। इसी क्रम सुदामापुर स्थित हनुमान मंदिर में मुख्यमंत्री के दीघार्यु के लिए विशेष यज्ञ किया गया। यह यज्ञ 51 किलो लाल मिर्च, 51 किलो पीली सरसों से किया गया। यह हवन पूजन धर्म और आध्यात्मिक नगरी राशि में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 53वें जन्मदिवस के अवसर पर काशी के ज्योतिषाचार्य पंडित नरेंद्र उपाध्याय द्वारा वैदिक और तांत्रिक विधि से लाल मिर्च पीला सरसों नमक से तांत्रिक और वैदिक विधि से हवन किया गया इस दौरान मां पीतांबरा देवी बाबा विश्वनाथ और मां काली से यह प्रार्थना किया गया कि योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री जी को हर प्रकार के रोग और कष्ट से ईश्वर दूर रखें उन्हें स्वस्थ और दीघार्यु रखें इस कामना से इस यज्ञ को किया गया। वहीं वाराणसी के अन्नपूर्णा मंदिर के प्रांगण में आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिवस धूम धाम से मनाया गया। योगी आदित्यनाथ के 53 वर्ष होने पर मंदिर मे 53 दीप जले, भक्तों में लड्डू वितरण,महंत शंकरपुरी ने मुख्यमंत्री के तस्वीर पर टिका लगा कर दीर्घ आयु की कामना की है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बोरीवली भाजपा के एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में शामिल हुए पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी

बोरीवली, मुंबई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी बोरीवली विधानसभा द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया । स्व. प्रमोद महाजन उद्यान, चिकुवाडी, बोरीवली-पश्चिम में हुए इस पौधारोपण के आयोजन में उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने उपस्थिती दर्ज कराते हुए स्वयं भी पौधा लगाया और पर्यावरण संतुलन के लिए सभी नागरिकों से पौधारोपण करने का आह्वान किया। आयोजन के दौरान जनसेवक शेट्टी ने मुंबई महानगरपालिका के गार्डन डिपार्टमेंट के अधिकारियों का सत्कार किया और वहां उपस्थित नागरिकों को संबोधित भी किया। इस अवसर पर जनसेवक गोपाल शेट्टी के साथ बोरीवली के विधायक संजय उपाध्याय, भाजपा उत्तर मुंबई के जिलाध्यक्ष दीपक उर्फ बाला तावड़े सहित और पार्टी के अनेक पूर्व नगरसेवक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वसई में पहली पंचायत समिति वार्षिक आम बैठक का आयोजन

वसई रोड। मानिकपुर कैथोलिक एसोसिएशन हॉल (टउअ हॉल) में विधायक स्नेहा दुबे पंडित की अध्यक्षता में पहली पंचायत समिति वसई की वार्षिक आम बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। यह बैठक विधायक चुने जाने के ठीक 10 साल बाद आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिक और अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी, एस.टी. डिपो, तहसील कार्यालय, बंदरगाह निरीक्षक, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, लोक निर्माण विभाग, एवं जिला परिषद निर्माण उप-विभाग जैसे विभिन्न विभागों की समीक्षा की गई। वसई के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए भविष्य की दिशा तय की गई तथा स्थानीय नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने के लिए संबंधित विभागों को उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और जल प्रबंधन पर गहन चर्चा हुई। इस अवसर पर सचिव और प्रशासक प्रदीप डोलारे, नायब तहसीलदार शशिकांत नाचन, ग्राम पंचायतों के सभी सरपंच, उपसरपंच, विभिन्न दलों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में वसई के नागरिक मौजूद थे।

गैंगेस्टर एक्ट के आरोपी की चल सम्पत्ति को किया गया कुर्क

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। थाना पन्नूगंज व रायपुर पुलिस द्वारा गैंगेस्टर एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए अवैध रूप से चल सम्पत्ति को कुर्क किया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) एवं क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल मार्गदर्शन/नेतृत्व में चलाये जा रहे सम्पत्ति जब्तीकरण अभियान के क्रम में, धारा 14(1) गैंगेस्टर अधिनियम के अन्तर्गत थाना पन्नूगंज पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 155/2024 धारा 3(1) गैंगेस्टर अधिनियम से सम्बन्धित आरोपी द्वारा अपराध कारित कर अवैध रूप से अर्जित की गयी सम्पत्ति को जिलाधिकारी सोनभद्र द्वारा पारित आदेश के क्रम में आरोपी राजा अली पुत्र तैय्यब अली निवासी ग्राम सेमरिया थाना पन्नूगंज जनपद सोनभद्र, की अर्जित महिन्द्रा पीकप वाहन (अनुमानित कीमत 02 लाख 50 हजार रुपये) को 04.06.2025 को थाना पन्नूगंज पुलिस व थाना रायपुर पुलिस टीम द्वारा जब्तीकरण की कार्यवाही की गयी।

प्रेमिका से मिलने गए प्रेमी की पीट - पीटकर हत्या

मुहम्मद आरिफ

मेहनाजपुर, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले के मेहनाजपुर थाना के अंतर्गत ग्राम बरवां में मंगलवार की रात्रि में लगभग 10:00 बजे प्रेमिका से मिलने आए प्रेमी की पीट- पीट कर हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी होते ही पुलिस मौके पर पहुंची ग ई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर छानबीन में जुट गई। देवगांव कोतवाली क्षेत्र के अहिरौली ग्राम निवासी अमित राजभर मेहनाजपुर थाना क्षेत्र के बरवां गांव की लड़की से विगत चार-पांच वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लड़के के परिजन दोनों की शादी के लिए राजी थे लेकिन लड़की के परिजन राजी नहीं थे। बुधवार की रात अमित प्रेमिका से मिलने के लिए बरवां गांव पहुंच गया। जानकारी होने पर परिजनों ने उसे पड़कर पीटना शुरू कर दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर एसपी सिटी मधुबन सिंह, सीओ लालगंज और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में प्रेम प्रसंग से जुड़े विवाद को हत्या का कारण माना जा रहा है। पुलिस ने कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया है और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है।

आओ मिलकर वृक्ष लगाएं, प्रकृति को सुरक्षित बनाएं: जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत पी एम श्री कंपोजिट विद्यालय नाथूपुर सिरकोनी में चल रहे समर कैंप में बच्चो के बीच जिलाधिकारी जौनपुर डॉ0 दिनेश चन्द्र एवं मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, बीडीओ सिरकोनी एवं खंड शिक्षा अधिकारी सिरकोनी द्वारा समर कैंप में बच्चो के द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों का जायजा लिया गया। समर कैंप में जिलाधिकारी को अपने बीच पाकर बच्चे काफी प्रसन्न दिखे और बच्चो के द्वारा जिलाधिकारी के समक्ष रामधारी सिंह दिनकर की अमर कृति रश्मिरथी के अंश भी प्रस्तुत किए गए, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा बच्चो की सराहना की गई इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा बच्चो से पर्यावरण एवं अन्य विषयों पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रत्येक नागरिक के नाम पर कम से कम एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए और उसका संरक्षण करें। क्योंकि वृक्ष है तो हम है। वृक्ष के बिना हमारा कोई अस्तित्व नहीं। अपने उद्बोधन में उन्होंने नारा दिया आओ मिलकर वृक्ष लगाएं। प्रकृति को सुरक्षित बनाएं इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा ग्रामसभा में स्थित सरोवर पर पहुंचकर वृक्षारोपण किया गया तथा समस्त ग्रामवासियों से अपील की गई कि पर्यावरण संरक्षण में सभी लोग आगे आए और अधिक से अधिक वृक्ष लगाए। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान सुचिता सिंह, प्राथमिक शिक्षक संघ जौनपुर के जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ल, विनय सिंह, अरविंद सिंह, रजेश सोनकर, रामनिलन, राधेश्याम यादव, अभिषेक सिंह, लता शुक्ला, शिवासरे सिंह सहित ग्राम सभा के सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे।

मेडिकल कालेज जौनपुर में वृक्षारोपण कर मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर की प्राचार्या प्रो० डा० रूचिरा सेठी ने स्वयं चिकित्सकों के साथ मिलकर दिनांक 05 जून, 2025 को लगभग 200 पौधों का वृक्षारोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। प्राचार्या ने अपने उद्बोधन में बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस, 2025 की थीम है ष्भूमि पुनर्स्थापना, मरुस्थलीकरण और लचीलापन है। इसका तात्पर्य है कि हमें न केवल पर्यावरण को बचाना है बल्कि उसे पुनः समृद्ध बनाना है। बंजर भूमि को उपजाऊ बनाना है, और जीवन को प्रकृति के अनुरूप लचीला बनाना है। उन्होंने बताया कि ष्पर्यावरण का संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। आज हमें यह प्रण लेना चाहिए कि हम अपने आस-पास की प्रकृति की रक्षा करेंगे और आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ और हरा-भरा पर्यावरण देंगे। धरती हमारी माता है, इसका संरक्षण हमारा धर्म है। आज जब धरती, वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन, वायु और जल प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी से उन्होंने अपील किया कि आप अपने-अपने घरों और समाज में पर्यावरण-संरक्षण का संदेश फैलाएं और सभी लोग यह संकल्प लें कि वह हर वर्ष 1-2 पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल भी करें। मेडिकल कॉलेज में ही पेड़ों की उपयोगिता एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व को दर्शाने वाली एक जानकारी पूर्ण प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। जिसमें डॉ पूजा पाठक ने कुछ औषधीय पौधों के गुनो के बारे में बताया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि एक हरित सोच को प्रोत्साहित करना है जिससे आम जन अपने दैनिक जीवन में पेड़-पौधों की सुरक्षा और पर्यावरण संतुलन की आवश्यकता को आत्मसात करें। कार्यक्रम के अन्त में कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष, डा० मुदित चौहान और उनके साथ डॉ नवीन सिंह ने पर्यावरण के संरक्षण के बारे में विस्तार से चर्चा किया और सभी को प्रेरणा स्वरूप बताया कि यदि प्रकृति रहेगी। आइए, हम सब मिलकर अपने पर्यावरण को बचाने का संकल्प लें और इस धरती को हरा-भरा बनाएँ। इस अवसर पर प्रो० भारती यादव, डा० सी०बी०एस० कर्नल पटेल, डा० कुलदीप, डा० अर्चना,डा० प्रियंका तथा कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

शादी का झांसा देकर लड़की को भगाने वाला आरोपी युवक गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले की खुटहन थाना पुलिस को गुरुवार सुबह एक बड़ी कामयाबी मिली जब उसने एक वांछित आरोपी को पिलकिछा चौराहे से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर एक नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर भगाने का आरोप है। यह गिरफ्तारी पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे। अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत की गई। मामला 27 मई 2025 की रात करीब 2 बजे का है। जब खुटहन थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी शिवम पुत्र कामता प्रसाद बेनबंशी ने एक युवती को कथित रूप से शादी का झांसा देकर अपने साथ भगा ले गया था। पीड़िता के पिता ने खुटहन थाने में आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। जिसके आधार पर मु.अ.सं. 146/25, धारा 137(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी पिलकिछा चौराहे के पास मौजूद है। उपनिरीक्षक हरिशंकर यादव, कांस्टेबल आकाश निषाद और सोनू निषाद की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आरोपी शिवम को सुबह करीब 6:10 बजे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे थाना लाकर अग्रिम कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई।पूछताछ के दौरान आरोपी शिवम ने बताया कि वह पीड़िता से कई वर्षों से प्रेम करता था। जब यह बात लड़की के घरवालों को पता चली तो उन्होंने उसका विरोध करना शुरू कर दिया। इसी दबाव में वह लड़की को लेकर बलिया चला गया।जहां दोनों एक होटल में रुके। लेकिन जब उसे पता चला कि लड़की के पिता ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है, तो वह डरकर वापस आ गया।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 11 छात्रों का टेक्निकल साइट इंजीनियर पद पर हुआ चयन

हाई-टेकनेक्स्ट इंजीनियरिंग एंड टेलीकॉम प्राइवेट लिमिटेड में मिली जगह

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में 4 जून 2025 को केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित ऑनलाइन प्लेसमेंट ड्राइव में हाई-टेकनेक्स्ट इंजीनियरिंग एंड टेलीकॉम प्राइवेट लिमिटेड, पश्चिम बंगाल द्वारा विश्वविद्यालय के 11 छात्रों का चयन ष्टेक्निकल साइट इंजीनियरष् के पद पर किया गया। यह ड्राइव इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए आयोजित की गई थी और पूरी प्रक्रिया गूगल मीट के माध्यम से संपन्न हुई। कंपनी की ओर से प्रोजेक्ट मैनेजर मेराज अहमद इस बात की जानकारी आज सुबह विश्वविद्यालय के मेल पर जानकारी दी। बीते 4 जून को संपन्न हुए व्यक्तिगत साक्षात्कार में उपस्थित लगभग 28 छात्रों में से 11 छात्रों का चयन किया गया।इस सफलता पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने चयनित छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है और यह दशार्ता है कि यहां के छात्र तकनीकी ज्ञान और व्यवहारिक दक्षता दोनों में सक्षम हैं। चयनित छात्रों में अनुराग चौरसिया, अनुराग ओझा, अवनीश कुमार पाल, आयुष गुप्ता, भानु प्रताप निषाद, शिवांश मिश्रा, शुभम गुप्ता, सुधांशु कुमार वर्मा, विकास यादव, विक्रांत सिंह और ऋषभ गोस्वामी। केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के उप समन्वयक, सुशील कुमार ने सभी छात्रों को दूरभाष से जानकारी व बधाई दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के समस्त छात्रों से अपील की है आगामी 7 जून को देश की एक प्रतिष्ठित कंपनी जुबिलेंट फूडवर्क्स लिमिटेड, बंगलुरु भी विश्वविद्यालय में आ रही है। उसमें सभी छात्र छात्राएं प्रतिभाग करें जिसके लिए पूर्व में ही गूगल फॉर्म भेजा जा चुका है। प्लेसमेंट समन्वयक प्रो. प्रदीप कुमार, उप समन्वयक डॉ. नितेश जयसवाल, उप समन्वयक डॉ. विशाल यादव, प्रभारी श्याम त्रिपाठी व छात्र सदस्य दिव्यांशु सिंह समेत अनेक छात्र-छात्राओं ने छात्रों के इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की।

बाल कैंसर से बचने के 16 साल पूरे होने पर इंडियन कैंसर सोसाइटी के यूजीएएम ने मनाया जश्न

मुंबई। 1951 में स्थापित कैंसर देखभाल के लिए भारत का पहला गैर-लाभकारी संगठन, इंडियन कैंसर सोसाइटी ने बचपन के कैंसर से बचे लोगों के लिए अपने सहायता समूह वऋअट के 16 शानदार वर्षों का जश्न मनाया। 2009 में स्थापित, वऋअट को बचपन के कैंसर की उपचार क्षमता के बारे में जागरूकता बढ़ाने और ठीक होने से परे उनके सफर में बचे लोगों का समर्थन करने के लिए बनाया गया था। इस वर्ष के उत्सव का विषय काल आज और कल था - जिसका अर्थ है ष्कल, आज और कल। थीम वऋअट के युवा योद्धाओं की प्रगति और ताकत को दशार्ती है, जिन्होंने कैंसर को हरा दिया है और अब स्वस्थ, उम्मीद से भरे भविष्य की आशा करते हैं। यह उनकी शारीरिक और भावनात्मक भलाई, समाज में फिर से एकीकरण और उनकी यात्रा के दौरान निरंतर समर्थन पर जोर देता है। इस कार्यक्रम में 350 से अधिक मेहमानों का स्वागत किया गया देश भर से कैंसर से पीड़ित युवा अपनी कहानियों और प्रतिभाओं को साझा करने के लिए उनके साथ शामिल हुए। हाल ही में आईसीएस तीसरे राष्ट्रीय सर्वाइवरशिप वर्कशॉप की मेजबानी की गई, जहाँ साझेदार अस्पतालों द्वारा चलाए जाने वाले आफ्टर कम्प्लीशन ऑफ थेरपी (अउळ) क्लीनिक से प्राप्त जानकारी साझा की गई। कार्यशाला में सर्वाइवरशिप और उससे आगे के लिए स्थायी मनोवैज्ञानिक सहायता मॉडल बनाने पर भी चर्चा की। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई के निदेशक डॉ. सुदीप गुप्ता और विशेष अतिथि के रूप में पूर्व भारतीय क्रिकेटर और प्रसारक संजय मांजरेकर उपस्थित थे। फिल्म निमार्ता अमोल गुप्ते, प्रमुख ऑन्कोलॉजिस्ट, साइको-ऑन्कोलॉजिस्ट और उत्साही यूजीएएम सदस्य भी उपस्थित थे।

बेस्टी एजुकेशन एंड चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन संपन्न

मुंबई। साहित्यिक,सामाजिक एवं सांस्कृतिक अंतरराष्ट्रीय संस्था बेस्टी एजुकेशन एंड चेरिटेबल ट्रस्ट दोहा-कतर मुंबई इकाई द्वारा बुधवार 4 जून 2025 को आनलाइन जूम ऐप माध्यम से अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन सम्पन्न हुआ। जिसका संयोजन संस्थापक डॉ बैजनाथ शर्मा मिन्टू , आयोजन मुंबई इकाई अध्यक्ष विनय शर्मा दीप एवं मार्गदर्शन राष्ट्रीय अध्यक्ष अफसाना सैयद ने किया। कवि सम्मेलन का शुभारंभ डॉ बैजनाथ शर्मा मिंटू ने मां सरस्वती की वंदना से किया तत्पश्चात डॉ साहब ने संचालन किया। अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन की अध्यक्षता रायबरेली से वरिष्ठ साहित्यकार सुखराम शर्मा सागर ने किया तथा मुख्य अतिथि के रूप में मुंबई से रामजीलाल वर्मा एवं प्रोफेसर अंजनी कुमार द्विवेदी अनमोल उपस्थित थे। आमंत्रित विशिष्ट अतिथि साहित्यकारों में गाजियाबाद से वरिष्ठ कवियत्री मधु स्वामी,मुंबई से डॉक्टर आनंदी सिंह रावत,नंदलाल क्षितिज, डॉ मंगेश पेडामकर, उमेश चन्द्र मिश्र प्रभाकर, कवियत्री सत्यवती मौर्य, कवियत्री शोभा स्वप्निल खंडेलवाल, दिल्ली से पंकज कुमार तिवारी, सुल्तानपुर उत्तर प्रदेश से कवियत्री प्रिया पाण्डेय, झांसी से प्रियंका सोनी एवं विनय शर्मा दीप मुख्य रूप से उपस्थित थे। उपस्थित सभी कवियों ने स्वतंत्र काव्य पाठ करते हुए फेसबुक एवं यूट्यूब पर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।अंत में दीप ने आमंत्रित साहित्यकारों एवं पटल पर उपस्थित श्रोताओं को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया और उपस्थित सभी साहित्यकारों को सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

नियमों का पालन न करने वाले 148 वाहनों का चालान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यातायात पुलिस जौनपुर द्वारा विशेष अभियान चलाकर यातायात नियमों का पालन न करने वाले 148 वाहनों का चालान किया गया। साथ ही अवैध टैक्सी/बस/रिक्शा स्टैण्ड अवैध डग्गामार वाहनों के संचालन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर 30 डग्गामार वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही तथा 05 डग्गामार वाहन को सीज किया गया तथा लोगो को यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया गया। आज 05.06.2025 को शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने व सडक दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के निकट पर्यवेक्षण तथा यातायात प्रभारी के नेतृत्व में यातायात पुलिस जौनपुर द्वारा जनपद जौनपुर के मुख्य स्थानों जेसिज चौराहा, वाजिदपुर तिराहा, पॉलिटेक्निक चौराहा व सिपाह तिराहा पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें यातायात नियमों का पालन न करने वाले कुल 148 वाहनों के चालान किये गये । साथ ही अवैध टैक्सी/बस/रिक्शा स्टैण्ड अवैध डग्गामार वाहनों के संचालन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर 30 डग्गामार वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही तथा 05 डग्गामार वाहन को सीज किया गया ।

महिला जनप्रतिनिधियों की जगह बैठक में नहीं शामिल होंगे उनके पति : एसडीएम

सिवान (उत्तरशक्ति)। सिवान बिहार महाराजगंज.त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में निर्वाचित महिलाओं के स्थान पर पति नहीं बैठ सकते हैं। इस संबंध में महाराजगंज की नव पद स्थापित एसडीएम अनीता सिन्हा ने अनुमंडल के सभागार में प्रतिनिधियों के साथ बैठक में कही . एसडीएम एसडीपीओ के संयुक्त अध्यक्षता वाली बैठक में महत्वपूर्ण संवैधानिक निर्देश दिए गए .बैठक में महिला प्रतिनिधि की जगह उपस्थित उनके पति के उपस्थिति पर साफ शब्दों में कहा कि जिस पद के लिए जो महिला प्रतिनिधि चुनी गई हैं वहीं किसी प्रकार की सरकारी बैठक में भाग ले सकती हैं . महिलाओं के अधिकार पर उनके पति का कब्जा नहीं होने दिया जाएगा।

एक तरफ महिला सशक्तिकरण पर सरकार जोर दे रही है वहीं दूसरी तरफ उनके पति उनके अधिकार पर कब्जा जमाने का प्रयास कर रहे हैं. वहीं बैठक एवं आम सभा ले सकेंगे। अनुमंडलीय सभागार की बैठक में महिलाओं के पति शामिल हुए थे। इसी के चलते एसडीएम के द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है। जिसमें उन्होंने 50 प्रतिशत महिलाओं को शामिल होने का निर्देशित किया है।

नगरीय निकाय चुनाव में निर्वाचित हुए महिलाओं को नगर पंचायत अंतर्गत बैठकों में जाना आवश्यक है। यह अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदों की भूमिका होना आवश्यक है । यदि महिला के स्थान पर कोई पुरुष जाता है तो उसको पद से हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

त्रि-स्तरीय पंचायतों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत पद आरक्षित किए हैं। महिला प्रतिनिधियों के सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास में उनकी भूमिका को मजबूत बनाने के उद्देश्य से यह आवश्यक है। साधारण सभा, आम सभाओं की बैठकों में महिला अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य, सरपंच-पंच आदि की सक्रिय भागीदारी होना चाहिए। बैठक में महाराजगंज,दारौंदा,भगवानपुर, बसंतपुर, गोरेयाकोठी लकड़ी नवीगंज जामो थाना के थानाध्यक्ष , बीडीओ, सीओ,व नगर पंचायत के प्रतिनिधि शामिल थे।

जब मिल जाए आपका सच्चा प्यार, तो उसे खास बनाएं प्लैटिनम लव बैंड्स - द वेडिंग एडिशन के साथ

मुंबई। गर्मियों में वेडिंग सीजन का उत्साह बढ़ाने के लिए, प्लैटिनम लव बैंड्स पेश करता है द वेडिंग एडिशन। एक खास कलेक्शन जो सच्चे प्यार की कहानी को खास बनाने के लिए तैयार किया गया है। इस कलेक्शन की सोच यह है कि सच्चा कमिटमेंट तभी आता है, जब दिल और दिमाग दोनों तैयार हों। ये प्लैटिनम बैंड्स सिर्फ एक निशानी नहीं हैं, ये एक वादा हैं, जो जिंदगी भर निभाया जाता है। 95% शुद्ध प्लैटिनम से बने प्लैटिनम लव बैंड उस प्यार की भावना को दिखाते हैं जो लाखों में एक है, बेहद खास और समय से परे। चाहे ये बैंड्स सितारों भरी रात में पहने जाएं या शादी की धूमधाम के बीच पहने जाएं, ये उन कपल्स के लिए बिल्कुल सही हैं जो अपने रिश्ते में गहराई चाहते हैं। ऐसे रिश्ते की निशानी जो आपसी सम्मान, अपनी पहचान और एक अनमोल प्यार पर टिका हो। चाहे आप अपनी शादी को धूमधाम से मनाने की सोच रहे हों या फिर सादगी से, प्लैटिनम लव बैंड 'द वेडिंग एडिशन' आपको खास अंदाज में अपने रिश्ते को हमेशा के लिए जोड़ने का मौका देता है।

बोसॉन सेल ने भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया एक और कदम

मुंबई। देश की पहली स्वदेशी लिथियम सेल निर्माण कंपनी बोसॉन सेल ने आधिकारिक तौर पर अपने दो नए उत्पाद 18350 इ-30अ और 21700 इ-50अ वेरिएंट्स लॉन्च कर दिए हैं। ये उच्च प्रदर्शन वाले, किफायती ऊर्जा सेल अब पूरे भारत में उपलब्ध होंगे। यह प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के आह्वान को सशक्त करते हुए भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता और नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। बोसॉन सेल अब भारत की तेजी से विकसित हो रही लिथियम टेक्नोलॉजी की रीढ़ बन चुका है, जो वैश्विक मंच पर देश की नई पहचान गढ़ेगा। भारत का लिथियम-आयन बैटरी बाजार 2030 तक 9.56 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है। बोसॉन सेल का उद्देश्य साफ है—स्वच्छ मोबिलिटी, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा और तेजी से बढ़ते ड्रोन मार्केट जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना। सरकार की ऋअटए क्क ढछ कस्कीम और ऊ१ड्ढल्ली रँ‘ ३ जैसे पहल से प्रेरित यह मांग अपने उच्चतम स्तर पर है, जिससे विश्वसनीय, सस्ती और स्वदेशी बैटरी तकनीक की मांग तीव्र हुई है। बोसॉन सेल के सीईओ गुरु पुनगवन ने कहा, बोसॉन सिर्फ एक और मैन्युफैक्चरर नहीं, बल्कि यह भारत की तकनीकी क्षमता का प्रतीक है। हम सिर्फ आयात का विकल्प नहीं बना रहे, बल्कि स्मार्ट, स्वच्छ और स्केलेबल एनर्जी सॉल्यूशंस तैयार कर रहे हैं जो हर भारतीय घर, व्यवसाय और नवाचार को ऊर्जा देंगे।